



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं. 395]	नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 13, 2018/अग्रहायण 22, 1940
No. 395]	NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 13, 2018/AGRAHAYANA 22, 1940

---

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2018

अंतिम जाँच परिणाम

**विषय - चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित "मेटा-फिनाइलीन डायमीन" के आयातों संबंधी पाटनरोधी जाँच की निर्णायक समीक्षा**

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

1. **फा.सं. 7/2/2018-डीजीएडी.**—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे **अधिनियम** भी कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे **नियमावली** भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :
2. यतः उक्त अधिनियम और नियमावली को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे **प्राधिकारी** भी कहा गया है) ने अधिसूचना सं. 14/4/2012-डीजीएडी दिनांक 19 जून, 2012 द्वारा चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित मेटाफिनाइलीन डायमीन के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जाँच की शुरुआत की थी। अधिसूचना सं. 02/2013-सीमाशुल्क दिनांक 22 मार्च, 2013 द्वारा अंतिम शुल्क लगाया गया था। प्राधिकारी द्वारा अधिसूचना सं. 14/4/2012-डीजीएडी दिनांक 17 दिसंबर, 2013 के माध्यम से अंतिम जाँच परिणाम प्रकाशित किए गए जिसके बाद वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचना सं. 11/2014 दिनांक 11 मार्च, 2014 के द्वारा चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित मेटाफिनाइलीन डायमीन के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधीशुल्क लगाया गया था।
3. यतः अधिनियम और नियमावली के अनुसार, लागू पाटनरोधी शुल्क को यदि पहले न हटाया जाए तो उसे लागू करने की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाता है। और इस प्रावधान के होते हुए भी प्राधिकारी के लिए उपाय के समाप्त होने की तारीख से पहले तर्कसंगत समयावधि के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किए गए विधिवत रूप से साक्ष्यांकित अनुरोध

के आधार पर इस बात की समीक्षा करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क के समाप्त होने से पाटनरोधी और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

4. और यतः मै. आरती इंडस्ट्रीज लि. (जिसे आगे **याचिकाकर्ता** कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन. गण. (जिसे यहां आगे आगे **संबद्ध देश भी** कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित मेटाफिनाइलीन डायमीन (जिसे आगे **संबद्ध वस्तु** कहा गया है) के पाटन के जारी रहने का आरोप लगाया है। याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी से चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसे जारी रखने का अनुरोध किया है।
5. और यतः, नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क(5) के अनुसार दायर एक विधिवत रूप से साक्ष्यांकित आवेदन के मद्देनजर और चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और कथित पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध जो समीक्षा जांच को उचित ठहराता है, को पाने के बाद प्राधिकारी ने दिनांक 26 फरवरी, 2018 की अधिसूचना सं. फा. सं. 7/2/2018-डीजीएडी जारी की ताकि इस बात की जाँच की जा सके कि क्या पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहेगा या उसकी पुनरावृत्ति होगी।
6. वर्तमान समीक्षा के दायरे में संबद्ध देश के मूल की अथवा वहांसे निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित मूल जाँच के सभी पहलू शामिल होंगे।

#### **ख. सामान्य प्रक्रिया**

7. प्राधिकारी द्वारा उक्त जाँच की शुरुआत की सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जाँच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :
  - i. प्राधिकारी के संबंधित नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करने से पहले वर्तमान पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में चीन जन. गण. के दूतावास को सूचित किया।
  - ii. प्राधिकारी ने भारत में चीन जन. गण. के दूतावास को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादक/निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग तथा अन्य घरेलू उत्पादकों को जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजीं और उनसे जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की तारीख के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
  - iii. प्राधिकारी ने उपयुक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुरूप आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में चीन जन. गण. के दूतावास को उपलब्ध कराई थी।
  - iv. भारत में चीन जन. गण. के दूतावास से अनुरोध किया गया था कि वे अपने संबंधित देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पतों के साथ भेजी गई थी।
  - v. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावली भेजी:-

क. नोरिनो ग्रुप सिचुआन नॉर्थ हांगगुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लिमिटेड;

ख. शंघाई एमिनो-केम कं, लिमिटेड;

ग. जिआंसू तिआनजिन कैमिकल कं, लिमिटेड;

घ. चाइना सन स्पेशियलिटी प्रॉडक्ट्स कं लिमिटेड,

- vi. संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर दिया है :

क. जिआंसू तिआनजिन कैमिकल कंपनी लिमिटेड

ख. सिचुआन नॉर्थ हांगगुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लिमिटेड

ग. झेजिआंग एमिनो-केम कं, लिमिटेड

घ. बुइपो इंटरनेशनल

ङ. चांगशन हैचेंग कैमिकल कं, लिमिटेड

च. इंचेम कं, लिमिटेड (निर्यातक)

- छ. फुरियन इंटरनेशनल (निर्यातक)
- vii. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना को मंगाते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावलियां भेजीं :
- क. ऐश्वर्या केमिकल्स प्रा. लिमिटेड
  - ख. अनिल कलर्स इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड
  - ग. अंकुर केमिकल्स
  - घ. एरिस ड्राई केम इंडस्ट्रीज;
  - ङ. एरिस ऑर्गेनिक्स प्रा. लिमिटेड
  - च. बोडल केमिकल्स लिमिटेड यूनिट -1;
  - छ. कैमवर्ल्ड इंक;
  - ज. छतरिया ड्राई स्टफ पी लिमिटेड
  - झ. हेक्सोन इंटरकेम प्रा. लिमिटेड
  - ञ. इंडो कोल्केम लिमिटेड;
  - ट. जैनिक इंडस्ट्रीज;
  - ठ. कृष्णा इंडस्ट्रीज;
  - ड. लोकिसम इंडस्ट्रीज लिमिटेड;
  - ढ. मैकसेन लेबोरेटरीज;
  - ण. मोनिका इंडस्ट्रीज;
  - त. नोवासिड प्रा. लिमिटेड .;
  - थ. ओरजेट इंटरमीडिएट प्रा. लिमिटेड .;
  - द. प्रशांत इंडस्ट्रीज
  - ध. रोहन ड्राईस एंड इंटरमीडिएट्स लिमिटेड;
  - न. श्री पुष्कर पेट्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड;
  - त. श्रीजी ऑर्गेनिक्स
  - प. सौर ड्राई इंडस्ट्रीज;
  - फ. सिंथोफार्मा केमिकल्स;
  - ब. हिंदप्रकाश इंटरनेशनल;
  - भ. कैमेक्स कैमिकल्स;
  - म. यश कैमेक्स इंक
- viii. संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातक ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर देते हुए प्रत्युत्तर किया है।
- क. रोहन ड्राईज एंड इंटरमीडिएट्स लि.
- ix. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों और किए गए अनुरोधों को हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया था।
- x. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से जाँच अवधि समेत विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदा-वार ब्योरे की जानकारी देने का अनुरोध किया था जो प्राधिकारी को प्राप्त हुए। प्राधिकारी ने सौदों की आवश्यक जाँच के बाद आयातों की मात्रा और अपेक्षित विश्लेषण की गणना के लिए डीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- xi. भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत और नियोजित पूंजी पर आय की उपयुक्त राशि के आधार पर क्षति रहित कीमत (एनआईपी) ज्ञात की गई ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार है।
- xii. नियम 6 (6) के अनुसार प्राधिकारी ने 29 जून, 2018 को हुई मौखिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक रूप से संगत

- सूचना प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। इस सुनवाई में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिन्होंने मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त किए और बाद में उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।
- xiii. हितबद्ध पक्षकार के आकड़ों के सत्यापन आवश्यक रूप से अपेक्षित सीमा तक किया गया था। वर्तमान जहां आवश्यक हो वहां आवश्यक सुधार सहित केवल इस तरह की सत्यापित जानकारी पर भरोसा किया गया है।
  - xiv. वर्तमान समीक्षा जाँच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पीओआई) 1 अक्टूबर, 2016 से 30 सितम्बर, 2017 (12 महीने) है। क्षति जाँच अवधि में अप्रैल 2014 - मार्च 2015, अप्रैल 2015 - मार्च 2016, अप्रैल 2016 - मार्च 2017 की अवधि तथा जांच की अवधि शामिल है।
  - xv. नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए आधार बनाने वाले अनिवार्य तथ्य 13 नवंबर, 2018 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट किए गए थे और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है।
  - xvi. इस जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी संगत पाए गए हैं, को इन जांच परिणामों में प्राधिकारी द्वारा हल कर दिया गया है।
  - xvii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।
  - xviii. जहां भी किसी हितबद्ध पक्ष ने वर्तमान जाँच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया या जांच में अत्यधिक बाधा डाली तो प्राधिकारी ने ऐसे पक्षों को असहयोगी माना है और अपने पास "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर जाँच परिणामों को दर्ज किया है।
  - xix. इस दस्तावेज में \*\*\* गोपनीय आधार पर प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।
  - xx. पीओआई के लिए विनियम दर इस प्राधिकारी द्वारा 66.07 रुपया = 1 अमरीकी डॉलर के रूप में लिया गया है।

## ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

### ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

8. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :

- i. वर्तमान जाँच एक निर्णायक समीक्षा जाँच है। मूल जाँच और वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में शामिल उत्पाद मेटाफिनाइलीन डायमिन (जिसे आगे संबद्ध वस्तु या पीयूसी कहा गया है) है। वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में पीयूसी वही है जिस मूल जाँच में प्राधिकारी द्वारा परिभाषित किया गया है।
- ii. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में पीयूसी मेटा फिनाइलीन डायमिन है जिसे एमपीडीए भी कहा जाता है। पीयूसी के अन्य नाम एम-फिनाइलीन डायमिन, 1, 3-डायामिनोबेंजीन, 1, 3-बेंजीनडायमिन, एम-अमीनोएनीलीन, एम-बेंजेनेडियम, एम-डायमिनोबेंजेन; 1,3-फिनाइलीनडायमिन; 3-एमिनोनाइलिन, एम-फेनिलेन्डियमिन, फेनिलेनेडियम, एम; और फेनिलेनेडियम, एम. वाणिज्यिक रूप से इसे एमपीडी या एमपीडीए भी कहा जाता है।
- iii. सामान्य (कमरे) स्थितियों के तहत, यह एक रंगहीन या सफेद रंग ठोस होता है, जो भंडारण पर हवा में लाल, बैंगनी (काला रंग) हो जाता है।
- iv. मेटा फिनाइलीन डायमिन एक रासायनिक मध्यवर्ती के रूप में कार्य करता है। इसका उपयोग रंगों, इंजीनियरिंग बहुलक, आर्मीड फाइबर और फोटोग्राफी और चिकित्सा अनुप्रयोगों में भी किया जाता है।
- v. मेटा-फिनाइलीन डायमिन को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के उपशीर्ष 2921 5120 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और जाँच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

### ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

9. किसी भी हितबद्ध पक्ष ने इस संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

**ग.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच**

10. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में पीयूसी मेटाफिनाइलीन डायमिन है जिसे एमपीडीए भी कहा जाता है। पीयूसी के अन्य नाम एम-फिनाइलीन डायमीन, 1, 3-डायामिनोबेंजीन, 1, 3-बेंजीनडायमीन, एम-अमीनोएनीलीन, एम-बेंजेनेडियम, एम-डायमिनोबेंजेन; 1,3-फिनाइलीनडायमीन; 3-एमिनोनाइलिन, एम-फेनिलेन्डियमिन, फेनिलेनेडियम, एम; और फेनिलेनेडियम, एम. वाणिज्यिक रूप से इसे एमपीडी या एमपीडीए भी कहा जाता है।
11. मेटा-फिनाइलीन डायमीन को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 (कार्बनिक रसायन) के सीमाशुल्क टैरिफ मद 2921 5120 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और जाँच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।
12. चूंकि वर्तमान जाँच एक निर्णायक समीक्षा जाँच है और पाटनरोधी शुल्क जिनकी प्राधिकारी द्वारा पहले सिफारिश की गई, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू हैं इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि वर्तमान जाँच में संबद्ध वस्तु का दायरा वही रहेगा जैसा कि मूल जाँच में था।
13. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-  
*“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटन के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;*
14. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देश से निर्यातित पीयूसी और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद पीयूसी से भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार तुलनीय विशेषताओं वाले हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं।
15. प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अधीन संबद्ध देश से निर्यातित पीयूसी के समान उत्पाद है।

**घ. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति****घ.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध**

16. घरेलू उद्योग के दायरे और स्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

i. यह याचिका मै. आरती इंडस्ट्रीज लि., जो भारत में पीयूसी का एकमात्र उत्पादक है, द्वारा दायर की गई है। भारत में संबद्ध वस्तु का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित पीयूसी का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्र. सं.	यूओएम	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	अक्टूबर 2016-सितंबर, 2017
1.	आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड	मी.ट.	***	***	***	***
	याचिकाकर्ता का हिस्सा	%	100	100	100	100

ii. याचिकाकर्ता ने पीओआई के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है और वह संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक से संबंधित भी नहीं है या नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर भारत में पीयूसी के किसी आयातक से संबंधित नहीं है।

**घ. 2 हितबद्ध पक्षों के विचार**

17. किसी भी हितबद्ध पक्ष ने इस संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

**घ.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच**

18. यह आवेदन मै. आरती इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दायर किया गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, भारत में संबद्ध वस्तु का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा संबद्ध वस्तु का उत्पादन नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

**घरेलू उत्पादन का विवरण**

क्र. सं.	यूओएम	यूओएम	2014-15	2015-16	2016-17	अक्टूबर 2016-सितंबर, 2017
	आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड	मी.ट.	***	***	***	***
	याचिकाकर्ता का हिस्सा	%	100	100	100	100

19. इसके अलावा, आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, उसे पीओआई के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात करता नहीं पाया गया है और यह भी नहीं पाया गया है कि वह संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक से संबंधित हो या नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर भारत में पीयूसी के किसी आयातक से संबंधित हो।

20. उक्त को ध्यान में रखते हुए और आवश्यक जाँच के बाद, प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के अधीन स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है और घरेलू उद्योग है।

**झ. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे****झ. 1 घरेलू उद्योग के विचार**

21. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

i. पाटनरोधी प्रपत्र के खंड VI में आवेदक उद्योग की लागत के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी है। इसके संबंध में वास्तविक जानकारी का प्रकटीकरण उत्पाद में भविष्य के व्यवसाय को खतरे में डाल सकता है।

**झ. 2 अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

22. अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

i. घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और अपूर्ण याचिका दायर की है। याचिका के खंड VI (लागत जानकारी) के उत्तर में, घरेलू उद्योग ने कोई जानकारी नहीं दी है।

ii. दायर याचिका में जांच अवधि के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण मानकों के बारे में जानकारी नहीं है।

**झ. 3 प्राधिकारी द्वारा जाँच**

23. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

(1) नियम 6 के उपनियम (7), नियम 12 के उपनियम (2) (3), (2) नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्निहित किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

24. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षों द्वारा दी गई सूचना गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांची गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को जहां आवश्यक हो स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है और अन्य हितबद्ध पक्षों को उसका प्रकटन नहीं किया है। जहां संभव हो गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षों को गोपनीय आधार पर दी गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निदेश भी दिया गया है। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा है।

## **च. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**

### **च.1 घरेलू उद्योग के विचार**

25. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- क. प्रस्तुत किए गए निर्यातक प्रश्नावली के 7 उत्तरों में से सभी उत्पादकों/निर्यातकों ने पीयूसी की घरेलू या निर्यात बिक्री के बारे में जानकारी गोपनीय के रूप में रखी है और प्रतिवादी निर्यातकों में से एक, झेजियांग-एमिनो केम, पूरी मूल्य श्रृंखला प्रदान करने से बचा रहा है, इस प्रकार, घरेलू उद्योग को अपनी मूल कंपनी की कुल क्षमता और बिक्री श्रृंखला के संबंध में टिप्पणी करने के अवसर में बाधा हुई है।
- ख. एक्सेसन प्रोटोकॉल के प्रावधानों में से एक 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गया है। तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन के उत्पादकों को नीचे दिए गए कारणों से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियों में परिचालन करने वाले उत्पादकों के रूप में मानकर वर्तमान जांच में आगे कार्यवाई करनी चाहिए।
  - i. वर्तमान मामले में प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन जांच अवधि अक्टूबर 2016 से सितंबर 2017 (12 महीने) है।
  - ii. चीनी उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों के रूप में माना जाना चाहिए क्योंकि चीन में लागत और कीमतें बाजार की शक्तियों को उचित रूप से प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। अनुबंध -1 के पैरा 8 में उन मानकों को निर्दिष्ट किया गया है जिनपर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने में विचार किया जाना चाहिए।
  - iii. चूंकि चीनी कंपनियों को दिसंबर, 2016 तक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -1 के पैरा 8 में उल्लिखित कारणों की वजह से बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया गया था इसलिए याचिकाकर्ता अनुरोध करता है कि चीनी उत्पादकों को तब तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों के रूप में माना जाना चाहिए जब तक जांच अवधि में शामिल एक्सेसन प्रोटोकॉल में निर्दिष्ट अवधि शामिल हो। इसलिए प्राधिकारी अनुबंध -1 के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने की कार्यवाही कर सकते हैं।
  - iv. यदि किसी भी हितबद्ध पक्ष का यह तर्क है कि अनुच्छेद 15 (क) (ii) के प्रावधान प्रभावी नहीं हैं और वर्तमान मामले में लागू नहीं किए जा सकते हैं, तो याचिकाकर्ता अनुरोध करता है कि अनुच्छेद 15 (क) (i) के प्रावधानों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अब भी विचार किया जाएगा।
  - v. सामान्य मूल्य को इस कारण से कि संगत सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश में समान वस्तु की कीमत के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने भारत में विधिवत रूप से समायोजित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार करने का दावा किया है।

### **च.2 अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

26. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. चीन जन. गण. से पूर्व में भारत द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार किया गया है। चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के संगत प्रावधानों के अनुसार, प्रतिनिधि देश व्यवहार की 11 दिसंबर 2016 से कोई अंतर्राष्ट्रीय कानूनी वैधता नहीं है।

- ii. 11 दिसंबर 2016 के बाद, भारतीय पाटनरोधी विधिक कार्यवाही में ऐसा कोई प्रावधान नहीं हो सकता है जिसमें चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य के उनकी घरेलू कीमतों और लागतों से परिकलन की अनुमति दी गई है।

### **च.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच**

#### **च.3.1 चीन के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

27. सामान्य मूल्य से संबंधित उपबंध अधिनियम की धारा 9 क (1) (ग) में और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध - 1 में दिए गए हैं। सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क(1)(ग) के अनुसार किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की विक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम विक्री मात्रा के कारण ऐसी विक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, विक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

28. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 निम्नानुसार है :

7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी। "

8 (1) "गैरबाजार- अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं, जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की विक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वनुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लू .टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी- को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था- वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कच्ची समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है;

(घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं;

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

29. प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच अवधि के दौरान प्रचलित स्थितियां मौजूदा जांच के उद्देश्य से प्रासंगिक हैं। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पीओआई 1 अक्टूबर, 2016 से 30 सितंबर, 2017 है। चीन जनवादी गणराज्य के एक्सेसन प्रोटोकॉल की धारा 15 (क) (iii) पीओआई के दौरान पूरी तरह से अस्तित्व में थी। तदनुसार, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में उत्पादकों/निर्यातकों को घरेलू बाजार में और भारत और अन्य देशों को निर्यात में संबद्ध वस्तुओं के निर्माण, उत्पादन और बिक्री से संबंधित बाजार स्थितियों के प्रचलित होने की संगत स्थितियों को प्रदर्शित करने के लिए संगत जानकारी देने की सलाह दी। तदनुसार, सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को अनुबंध -1 के पैरा 8 (3) में निर्धारित मानदंडों के संबंध में जानकारी प्रदान करने के लिए पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी गईं। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. की सरकार से अनुरोध किया कि वह चीन जन. गण. में उत्पादकों / निर्यातकों को संगत जानकारी प्रदान करने की सलाह दें। तथापि, चीन जन. गण. के निर्यातकों में से किसी ने भी अपेक्षित सूचना देने वाली पूरक प्रश्नावली को प्रस्तुत नहीं किया।
30. तदनुसार चीन जन. गण. से भारत में आयात की गई संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में प्रदत्त या देय कीमत को तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत रूप से समायोजित करके उसके आधारपर परिकलित किया गया।

### **च.3.3 संबद्ध देश में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण**

31. प्राधिकारी ने नोट किया कि चीन जन. गण. के तीन उत्पादकों ने प्राधिकारी को सूचना प्रस्तुत की है जिसका उपयोग निर्यात मूल्य और अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए किया जा सकता है। ये हैं:

क. जिआंगसू तियांनजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड

ख. सिचुआन नॉर्थ हांगगुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लिमिटेड

ग. झेजिआंग एमिनो-केम कं, लिमिटेड

अतः, प्राधिकारी ने इन उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दिए गए उत्तर का विश्लेषण निम्नानुसार किया है:

### **जियांगसू तियांनजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड (तियांनजीआई) (उत्पादक) और मैसर्स बुडपो इंटरनेशनल, चीन जन. गण.(निर्यातक), चांगशान हैडचेंग केमिकल कं, लिमिटेड (निर्यातक), और इनकेम कं, लिमिटेड (निर्यातक)**

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तियांनजीआई ने प्रत्यक्ष रूप से और असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तु के \*\*\* एमटी का निर्यात किया है। इन असंबद्ध व्यापारियों में से केवल बुडपो इंटरनेशनल, चेंगशान हाइचेंग केमिकल कं लि. और इनकेम कं. लि. ने उत्तर प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा, भारत में इंचेम के निर्यात के रूप में तियांनजीआई द्वारा बताई गई मात्रा इंचेम द्वारा भारत में निर्यात के रूप में सूचित की गई मात्रा से मेल नहीं खाती है। चूंकि, गैर-भागीदार व्यापारियों के माध्यम से निर्यात की गई मात्रा काफी अधिक है (लगभग 42%), इसलिए प्राधिकारी उपर्युक्त उत्पादक और व्यापारी के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करने

की स्थिति में नहीं है। तदनुसार, प्राधिकारी तियानजीयी और उसके व्यापारियों द्वारा दायर उत्तर को खारिज करते हैं और इसके बजाय उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित करते हैं।

**शिचुआन नार्थ हांगगुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लिमिटेड (हांगगुआंग) (उत्पादक) और फुरियन इंटरनेशनल (निर्यातक)**

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगगुआंग ने भारत को \*\*\* एमटी संबद्ध वस्तु का सीधे और असंबद्ध व्यापारी अर्थात् फुरियन इंटरनेशनल के माध्यम से निर्यात किया है। समूची बिक्री भारत में असंबंधित ग्राहकों को की गई थी। हांगगुआंग ने अंतर्देशीय मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा किया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा./एमटी के रूप में निर्धारित की है।

**झिजियांग अमीनो – केमिकल कंपनी लि. (उत्पादक/निर्यातक) (झिजियांग)**

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि झिजियांग ने भारत को सीधे ही \*\*\* मी.टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। झिजियांग ने अंतर्देशीय माल भाड़ा, समुद्री माल भाड़े, समुद्री बीमा, पैकिंग, हैंडलिंग, क्रेडिट लागत और बैंक प्रभार आदि के कारण समायोजनों का दावा किया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने कारखानागत निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन निर्धारित की है।

**च. 3.34 असहयोगी उत्पादक/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

35. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एण्ड एस के सौदा-वार आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है। निर्यात कीमत को कारखानागत स्तर पर निबल निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए माल भाड़ा, समुद्री बीमा, बैंक प्रभारों, पत्तन व्ययों के कारण समायोजित किया गया है। तदनुसार, संबद्ध देश से निर्यात के लिए कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य और निबल निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाए गए अनुसार है।

**च.4 संबद्ध देशों में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण**

36. उपरोक्तानुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	उत्पादक	निर्यातक	निर्मित सामान्य मूल्य (अम. डॉ./ मी.टन)	निबल निर्यात कीमत (अम. डॉ./ मी.टन)	पाटन मार्जिन (अम. डॉ./ मी.टन)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (रैंज)
1.	शिचुआन नार्थ हांगगुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लि.	1. शिचुआन नार्थ हांगगुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लि. 2. फूरियोन इंटरनेशनल	***	***	***	***	30-40
2.	झेजियांग अमीनो कैम कं. लि.	झेजियांग अमीनो कैम कं. लि.	***	***	***	***	20-30
3.	अन्य	अन्य	***	***	***	***	40-50

**छ. क्षति और कारणात्मक संबंध**

**छ.1 घरेलू उद्योग के विचार**

37. वर्तमान अवधि के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए क्षति संबंधी अनुरोध निम्नानुसार है:-
- पी ओ आई में कुछ गिरावट के साथ क्षति अवधि में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है।
  - पी ओ आई में कुछ गिरावट के साथ क्षति अवधि में आयातों में कुल रूप में वृद्धि हुई है।

- iii. हालांकि, पी ओ आई में भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों में गिरावट आई है, पाटनरोधी शुल्क को लागू किए जाने के बावजूद पी ओ आई में वे महत्वपूर्ण बने हुए हैं।
  - iv. कच्ची सामग्री की लागतों में तदनुसारी गिरावट के बिना आयात कीमतों में प्रबल गिरावट आई है।
  - v. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से महत्वपूर्ण रूप से कम है। वास्तव में यह 2015-16 के बाद की कीमतों के स्तर से बहुत कम है।
  - vi. आयातों की पहुंच कीमत बिक्री कीमत तथा घरेलू उद्योग की कीमत से भी बहुत कम है। कम कीमत पर उल्लेखनीय आयातों ने घरेलू उद्योग को इसकी बिक्री कीमत को कम करने पर दबाव डाला है। पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से घरेलू बिक्री कीमत पर उल्लेखनीय निराशाजनक प्रभाव पड़ेगा।
  - vii. याचिकाकर्ता ने मांग में वर्तमान और संभावित वृद्धि पर विचार करते हुए पी यू सी के लिए क्षमता में वृद्धि की है।
  - viii. 2014-15 और 2015-16 के बीच उत्पादन में गिरावट आई और उसके बाद उसमें वृद्धि हुई। हालांकि, यह वृद्धि मांग और सृजित क्षमताओं की तुलना में काफी कम है।
  - ix. क्षति अवधि में क्षमता उपयोग में तीव्र गिरावट आई है, केवल क्षमता में वृद्धि के कारण नहीं बल्कि पाटन के कारण बाजार की अनुपस्थिति के कारण भी।
  - x. हालांकि, याचिकाकर्ता कम कीमत पर वस्तुओं की बिक्री द्वारा आपनी बिक्रियों में वृद्धि करने में सक्षम था, तथापि, बिक्रियों में वृद्धि, अनुमानित वृद्धि से कम है।
  - xi. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा केवल न्यूनतम रूप से बढ़ा है और संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा महत्वपूर्ण बना रहा है। घरेलू उद्योग बाजार हिस्से का केवल 37% धारित करता है जबकि चीन जन.गण. से आयात 63% धारित करते हैं।
  - xii. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित व्याज से पहले लाभ और नकद लाभों में अत्यधिक गिरावट आई है।
  - xiii. पूरी अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित नियोजित पूंजी पर आय, हालांकि यह सकारात्मक है, में तीव्र गिरावट आई है।
  - xiv. पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के कारण प्रारंभ में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ। तथापि, लाभप्रदता में बिक्रियों की लागत के स्तर से काफी कम कीमतों पर पाटित आयातों और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत को ध्यान में रखते हुए दुबारा हास आना आरंभ हो गया।
  - xv. पी ओ आई में पुनः औसत मालसूची में तीव्र वृद्धि हुई है।
  - xvi. उत्पादन की गतिविधि के सामंजस्य में क्षति अवधि में दैनिक उत्पादकता में वृद्धि हुई है।
  - xvii. क्षति अवधि में रोजगार और अदा की गई मजदूरी के स्तर में भी वृद्धि हुई है।
  - xviii. जहां उत्पादन और बिक्री ने सकारात्मक वृद्धि दर्शाई है, वहीं क्षमता उपयोग और मालसूची ने ऋणात्मक वृद्धि दर्शाई है। लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय जैसे पैरामीटरों में वृद्धि ऋणात्मक थी।
  - xix. लाभों में गिरावट क्षमताओं में वृद्धि के कारण नहीं है बल्कि मुख्य रूप से कीमत में कटौती के परिणामस्वरूप बिक्री कीमत में तीव्र गिरावट के कारण है।
  - xx. घरेलू उद्योग ने घरेलू और निर्यात बाजारों में बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए अपनी क्षमता में वृद्धि की थी। निवल निर्धारित परिसंपत्तियों में वृद्धि बढ़ी हुई क्षमताओं का परिणाम है।
38. घरेलू उद्योग ने कारणात्मक संबंध की उपस्थिति के संबंध में निम्नलिखित निवेदन किए हैं:-
- i. एक बार यह दर्शाने के बाद कि पाटित आयातों से विपरीत मात्रा और कीमत प्रभाव हुआ है और पाटित आयातों के कारण हुई क्षति के प्रभाव अनुबंध II के पैरा (iv) में निर्धारित किए गए पैरामीटरों के रूप में दर्शाए गए हैं, तब यह निष्कर्ष निकालने का एकमात्र तरीका कि क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है अथवा नहीं है, गैर-आरोपण विश्लेषण के माध्यम से है।
  - ii. पी यू सी के संबंध में खपत के पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
  - iii. ऐसी कोई प्रतिबंधात्मक पद्धति नहीं है जो घरेलू उद्योग की क्षति में योगदान कर सके।
  - iv. उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
  - v. सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक भी यह स्थापित नहीं करते कि क्षति इन अन्य कारकों की वजह से हुई है।

## छ.2 अन्य हितवद्ध पक्षकारों के विचार

39. क्षति और कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच की अवधि के दौरान अन्य हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध, जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया है, निम्नानुसार हैं :
- i. आयातों में वृद्धि, मांग और विपरीततः वृद्धि के साथ हुई है। इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता कि पाटित आयातों में

- महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है चाहे वह कुल रूप में हो या भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष में।
- ii. घरेलू उद्योग को क्षति मुख्य रूप से अनुचित/और न्यायसंगत क्षमताओं के कारण हुई है। घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं को स्थिर करने में सक्षम नहीं है जिस कारण इसे आर्थिक क्षति हुई है।
  - iii. वृहत उपयोग न की गई क्षमताओं के बावजूद, घरेलू उद्योग ने पी ओ आई के दौरान क्षमता में और अधिक वृद्धि की है, जिस के परिणामस्वरूप अपर्याप्त क्षमता का उपयोग हुआ। याचिकाकर्ता द्वारा क्षमता में वृद्धि करने की कोई आवश्यकता नहीं थी।
  - iv. आधार वर्ष, 2014-15 की तुलना में पी ओ आई के दौरान याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्रियों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। यह प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने की अपेक्षा निर्यातों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है।
  - v. मालसूची स्तर की जांच, अकेले नहीं करनी चाहिए बल्कि बिक्रियों या उत्पादन के संबंध में की जानी चाहिए।
  - vi. आधार वर्ष 2014-15 की तुलना में पी ओ आई के दौरान बिक्रियों की लागत में गिरावट आई है। बिक्री की लागत में ह्रास के साथ पहुंच कीमत में भी भारी गिरावट आई है।
  - vii. कीमत कटौती को अकेले नहीं देखा जाना चाहिए। सकारात्मक कीमत कटौती के बावजूद, घरेलू उद्योग ने अपने निष्पादन में सुधार दर्शाया है।
  - viii. याचिका दर्शाती है कि 2014-15 से तुलना किए जाने पर, पी ओ आई के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई है। हालांकि, आरती इंडस्ट्रीज लि. की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी की कुल लाभप्रदता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।
  - ix. आधार वर्ष 2014-15 की तुलना में, पी ओ आई के दौरान स्थायी निर्धारित परिसंपत्ति और कार्यशील पूंजी में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।
  - x. आधार वर्ष 2014-15 की तुलना में, पी ओ आई के दौरान कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है।
  - xi. घरेलू उद्योग द्वारा कथित रूप से सामना की जा रही कोई क्षति संबद्ध देश से आयातों के अतिरिक्त अन्य कारकों के कारण है। याचिका जान-बूझकर ऐसे बहुत कठिन मुद्दों का उल्लेख करने में असफल रही है जिनका संबद्ध आयातों से पृथक घरेलू उद्योग पर प्रभाव पड़ा है।

### छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

40. क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में जांच की अवधि के दौरान हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन, जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत समझा गया है, की जांच की गई है तथा इसका नीचे उल्लेख किया गया है।
41. प्राधिकारी ने मात्रा प्रभाव और कीमत प्रभाव दोनों की जांच द्वारा क्षति का आकलन किया है। क्षति के निर्धारण में दोनों की उद्देश्यपूर्ण जांच शामिल है (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव और (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव।

#### छ.3.1 पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

##### क) मांग का आकलन

42. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ सभी स्रोतों से आयातों और भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों के योग के रूप में भारत में विचाराधीन उत्पाद की प्रत्यक्ष खपत या मांग का निरूपण किया है। इस प्रकार आकलन की गई मांग नीचे सारणी में दी गई है:-

#### भारत में पी यू सी के लिए मांग

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	91	137
संबद्ध देश से आयात	मी.टन	2,475	3,148	4,549	3,383
कुल मांग	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	149	137

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि 2014-15 से 2016-17 तक पी यू सी में लगातार और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है किंतु पी ओ आई में मामूली गिरावट आई है।

**ख) आयातों की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा**

44. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में या तो कुल रूप में अथवा उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष पाटित आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:-

**आयात और बाजार हिस्सा**

क्र. सं.	विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
2.	चीन जन.गण. से आयात	मी.टन	2,475	3,148	4,549	3,383
3.	भारत में कुल खपत	मी.टन	***	***	***	***
4.	भारत में कुल खपत	मी.टन	***	***	***	***
निम्न के संबंध में संबद्ध देश से आयातों की मात्रा						
5.	भारत में मांग	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध		100	111	124	100
6.	भारत में उत्पादन	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध		100	156	142	74

45. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि:-

- पी ओ आई में गिरावट के अतिरिक्त, क्षति अवधि में संबद्ध देश से आयातों में लगातार वृद्धि हुई है।
- पी ओ आई में गिरावट के अतिरिक्त, क्षति अवधि में भारत में खपत के संबंध में संबद्ध आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक भारत में उत्पादन के संबंध में संबद्ध आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। 2016-17 में इसमें गिरावट आई और पी ओ आई में इसमें और अधिक गिरावट हुई।

**छ.3.2 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव**

46. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि भारत में समान उत्पाद की कीमत से तुलना किए जाने पर क्या पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव ने अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण सीमा तक कीमतों में ह्रास किया है या कीमतों में वृद्धि को रोका है जो अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण सीमा तक घटित हुआ होता।

**क) कीमत कटौती**

47. इस संबंध में, व्यापार के समान स्तर पर, सभी छूटों और करों को घटाकर, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और संबद्ध देश से पी यू सी के पहुंच मूल्य के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमत को कारखानागत स्तर पर निर्धारित किया गया था। कीमत कटौती मार्जिन को नीचे दी गई सारणी के अनुसार दर्शाया गया है:-

**कीमत कटौती**

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
1.	आयातों की पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	240	189	185	191
2.	भारत में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री आय	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
3.	कीमत कटौती	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
4.	कीमत कटौती	%	***	***	***	***
5.	कीमत कटौती	रेंज	0-10	10-20	20-30	10-20

48. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों द्वारा की गई कीमत कटौती सकारात्मक है।

**ख) कम कीमत पर बिक्री**

49. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा सामना की जा रही कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की

है। इस प्रयोजन हेतु घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एन आई पी की संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत के साथ तुलना की गई है। घरेलू उद्योग के एन आई पी की आयातों की भारत औसत पहुंच कीमत के साथ तुलना को निम्नानुसार दर्शाया गया है:

### कम कीमत पर बिक्री

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	चीन जन. गण.
1.	आयातों की पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	***
2.	गैर-क्षति रहित कीमत	रु./कि.ग्रा.	***
3.क	कीमत से कम कीमत पर बिक्री	रु./कि.ग्रा.	***
3.ख	कीमत से कम कीमत पर बिक्री	%	***
3.ग	कीमत से कम कीमत पर बिक्री	रेंज	15-25

50. उपर्युक्त सारणी से यह नोट किया जाता है कि भारत में आयात घरेलू उद्योग के एन आई पी से कम पर प्रवेश कर रहे हैं।

### ग) पाटित आयातों के कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण प्रभाव

51. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास या न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों को ह्रासित करता है या कीमतों में वृद्धि को नियंत्रित करता है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक घटित हुआ होता, प्राधिकारी ने क्षति अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तन पर विचार किया है।

### कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	240	189	185	191
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	79	77	80
बिक्रियों की लागत प्रति यूनिट बिक्री	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	106	100
बिक्री कीमत प्रति यूनिट - घरेलू	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	91	86

52. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि-

- क्षति अवधि में संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य में गिरावट आई है, जिनमें पी ओ आई में केवल मामूली रूप से वृद्धि हुई है।
- घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई में समान बनी रही है।
- आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में 14 सूचकांक बिंदु की गिरावट आई है।

53. आयातों से घरेलू बाजार में कीमत न्यूनीकरण तथा ह्रास हुआ है।

### छ.3.3 घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंडों की जांच

54. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के तहत यह अनिवार्य है कि क्षति निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच शामिल हो। ऐसे उत्पादों के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली नियमावली में आगे उपलब्ध कराया गया है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और आंकड़ों का एक उद्देश्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिन का उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जिन में बिक्रियों, लाभों, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेशों पर आय या क्षमता के उपयोग, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रभाव पर संभावनी नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी वृद्धि, पूंजी निवेशों को जुटाने की

क्षमता शामिल हैं।

55. यह जरूरी नहीं है कि क्षति के सभी मापदंड ह्रास दर्शाएं। कुछ मापदंड ह्रास दर्शा सकते हैं जबकि कुछ अन्य सुधार भी दर्शा सकते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सभी क्षति मापदंडों पर विचार किया है और तत्पश्चात निष्कर्ष दिया है कि क्या घरेलू उद्योग पाटन के कारण क्षति झेल रहा है या नहीं। प्राधिकारी ने निवेदनों में दिए गए तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए उद्देश्यपूर्ण रूप से क्षति पैरामीटरों की जांच की है।

56. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक पैरामीटरों की यहां नीचे जांच की गई है:-

**क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्रियां**

57. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्रियों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार था:-

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
1.	क्षमता	मी.टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	180	308	400
2.	उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	129	185
3.	क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	45	42	47
4.	घरेलू बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	91	137

58. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि:-

- क्षति अवधि में क्षमता में महत्वपूर्ण और लगातार वृद्धि हुई है।
- 2014-15 से 2015-16 तक उत्पादन में गिरावट आई है तथापि, उसके पश्चात 2016-17 और जांच की अवधि के दौरान इसमें महत्वपूर्ण और लगातार वृद्धि हुई है।
- क्षति विश्लेषण में क्षमता उपयोग घटा है हालांकि पी ओ आई में इसमें मामूली वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2015-16 और 2016-17 के दौरान घरेलू बिक्री मात्रा में कमी आई है और तत्पश्चात इसमें पी ओ आई में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

59. इस प्रकार, उन्होंने यह नोट कि घरेलू उद्योग में उपलब्ध पर्याप्त क्षमता के बावजूद घरेलू उद्योग पाटित आयातों की मौजूदगी के मद्देनजर ईष्टतम स्तर पर उत्पादन और बिक्री नहीं कर पाया।

**ख) बाजार हिस्सा**

60. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:-

**मांग में बाजार हिस्सा**

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
संबद्ध देश का हिस्सा	%	62	69	77	62
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	38	31	23	38
कुल	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

61. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि:-

- पी ओ आई के दौरान संबद्ध उद्योग से आयातों का बाजार हिस्सा वही रहा है जो क्षति अवधि के आधार वर्ष में था।
- पी ओ आई के दौरान, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वही है जैसा कि यह क्षति अवधि के आधार वर्ष में था।

62. इस प्रकार यह देखा जाता है कि संबद्ध आयातों का घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद घरेलू बाजार में भारी हिस्सा है।

**ग) माल सूची**

63. संबद्ध वस्तुओं की मालसूची से संबंधित आंकड़े नीचे सारणी में दर्शाए गए हैं:-

**मालसूची**

विवरण	यू ओ एम	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	77	111

64. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि:-

- i. पी ओ आई में तीव्र वृद्धि के अतिरिक्त, क्षति अवधि में औसत मालसूची में गिरावट आई है।

**घ) लाभ, निवेशों पर आय और नकदी प्रवाह**

65. घरेलू उद्योग के लाभ/हानि, नकदी प्रवाह और निवेश पर आय का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:-

**लाभ, निवेशों पर आय और नकदी प्रवाह**

विवरण	यू ओ एम	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
लाभ/हानि प्रति यूनिट	रु. मी.टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	10	-66	-63
लाभ/हानि	रु. लाख	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	9	-60	-87
व्याज पूर्व लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	35	-0.49	-28
नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	28	-14	-21
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	32	-0.14	-7

66. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि:-

- क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में महत्वपूर्ण गिरावट आई है।
- क्षति अवधि में घरेलू बिक्रियों के पी वी आई टी में महत्वपूर्ण और लगातार गिरावट आई है।
- क्षति अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त नकद लाभों में महत्वपूर्ण और लगातार गिरावट आई है।
- घरेलू उद्योग ने 2014-15 में स्वस्थ आर ओ सी ई अर्जित किया है। तथापि, इसमें क्षति अवधि में लगातार गिरावट आई है।

**ङ) रोजगार और उत्पादकता**

67. याचिकाकर्ता द्वारा संलग्न कर्मचारियों की संख्या और उत्पादकता से संबंधित स्थिति निम्नानुसार है:-

**रोजगार और उत्पादकता**

विवरण	यू ओ एम	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	121	232	221
प्रतिदिन उत्पादकता	मी.टन/दिन	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	82	129	185

प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.टन/कर्मचारी	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	68	56	84

68. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि:

- क्षति अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा काम पर रखे गए कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- क्षति अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में उल्लेखनीय गिरावट आई है। तथापि, पी ओ आई में यह अत्यधिक बढ़ी है।

#### च) वृद्धि

विवरण	यू ओ एम	2014-15	2015-16	2016-17	पी ओ आई
उत्पादन मात्रा	%	-	-18%	58%	43%
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति		(100)	420	336
क्षमता उपयोग			-55%	-8%	10%
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति		(100)	(86)	119
घरेलू बिक्री मात्रा	%	-	-5%	-4%	50%
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति		(100)	(85)	1025
लाभ (पीबीटी)	%	-	-91%	-755%	-44%
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति		(100)	(831)	(49)
आर ओ सी ई	%		-68%	-99%	-4891%
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति		(100)	(147)	(7166)
नकद लाभ	%		-72%	-149%	-53%
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति		(100)	(206)	(73)

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित परिणाम घरेलू उद्योग के उपर्युक्त पैरामीटरों की वृद्धि के अनुसरण में है:-

- उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्रियों में सुधार हुआ है। तथापि, वह ईष्टतम स्तर से काफी कम रहे।
- लाभ, पीबीटी, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय में लगातार गिरावट आई है।

#### ज) क्षति मार्जिन का विस्तार

70. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की निर्धारित क्षति रहित कीमत की पी ओ आई के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए प्रत्येक प्रतिभागी उत्पादक के संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ निम्नानुसार तुलना की गई है:-

क्र.सं.	उत्पादक	निर्यातक	एन आई पी (अमरीकी डॉलर/मी.टन)	पहुंच मूल्य (अमरीकी /मी.टन)	क्षति मार्जिन (अमरीकी डॉलर /मी.टन)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन (रेंज)
1.	शिशुआन नार्थ होंग हुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लि.	3.शिशुआन नार्थ होंग हुआंग स्पेशल केमिकल कंपनी लि.	***	***	***	***	25-35
2.	झिजियांग अमीनों – केमिकल कंपनी लि.	4.फ्यूरिओन इंटरनेशनल झिजियांग अमीनों – केमिकल कंपनी लि.	***	***	***	***	15-25

3.	अन्य	अन्य	***	***	***	***	45-55
----	------	------	-----	-----	-----	-----	-------

### अ) पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना

71. प्राधिकारी ने नोट किया है कि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है और इस जांच का उद्देश्य जांच और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना की जांच करना है यदि पाटनरोधी शुल्कों की समाप्ति को अनुमति दी जाती है।

### अ.1 घरेलू उद्योग का विचार

72. पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना के इसके दावे के समर्थन में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित निवेदन किए हैं:-

- प्राधिकारी द्वारा जारी व्यापार नोटिस संख्या 2/2017 के तहत अनिवार्यताएं वर्तमान मामले के संगत प्रतीत नहीं होती।
- भारत में मेटाफिनाइलिन डायमिन के लगातार पाटन का इतिहास रहा है। भारतीय उद्योग लगातार पाटन के परिणामों का सामना करता रहा है। पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के बावजूद, कम कीमत पर आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। कच्ची सामग्री में तदनुरूपी गिरावट के बिना आयात कीमत में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। इस प्रकार यह संबद्ध देश से गहन पाटन की ओर संकेत करता है।
- पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के बावजूद, संबंधित देशों से महत्वपूर्ण मात्रा में संबद्ध वस्तुओं का आयात किया जाना जारी है।
- संबद्ध देशों में उत्पादकों की अतिशय उत्पादन क्षमताएं हैं। चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं के सभी उत्पादकों की संकलित क्षमता लगभग 1,20,000 मी.टन है।
- कई वर्षों तक झिजियांग लांगशेंग ग्रुप की वार्षिक रिपोर्टों के अध्ययन से यह साक्ष्य है कि चीन जन.गण. से निर्यातकों का विश्वव्यापी अत्यधिक निर्यात प्रचालन रहा है। निर्यात बिक्रियों से चीन जन.गण. में उत्पादकों में से एक की प्रचालन आय बढ़ी है जबकि उनकी घरेलू बिक्रियों से इसमें गिरावट आई है। निर्यातक की वार्षिक रिपोर्ट स्पष्ट रूप से बताती है कि भारत प्रमुख निर्यात बाजारों में से एक है। यह स्पष्ट रूप से बड़े हुए आयातों की संभावना को स्थापित करता है यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति दी जाती है।
- पाटित आयातों की लगातार उपस्थिति घरेलू उद्योग को पाटन के विगत प्रभावों से उबरने से रोकती है। वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में, घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्क की राशि द्वारा बिक्री कीमत को घटाना होगा अथवा वर्तमान बिक्री कीमत को बनाए रखना होगा। किसी भी स्थिति में इसे उल्लेखनीय हानियों द्वारा भारी क्षति का सामना करना होगा।
- कीमते, जिन पर संबद्ध आयात भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, घरेलू बिक्री कीमतों से उल्लेखनीय रूप से निम्न हैं। इसलिए, पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति के मामले में, निर्यातक भारतीय बाजार में अपने उत्पादन को और अधिक सरणीकृत करेंगे क्योंकि वे पहले ही अत्यधिक क्षमता धारण करते हैं।
- वर्तमान पाटनरोधी शुल्क की विद्यमानता को समाप्त किए जाने पर, कीमत में कटौती और अधिक बढ़ेगी।
- उत्तर दायर करने वाले निर्यातकों को यह स्थापित करना चाहिए कि पाटन जारी नहीं रहेगा अथवा पाटनरोधी शुल्कों की वापसी की स्थिति में इसकी पुनरावृत्ति होगी।
- चीनी उत्पादकों ने भारत में अपने निर्यातों को बढ़ाया है और वे अभी भी भारत में पी यू सी के लिए मांग के 62% पर अधिकार रखते हैं।
- चीन में उत्पादकों की वार्षिक रिपोर्टों का अध्ययन दर्शाता है कि चीनी सरकार द्वारा उत्पादकों/निर्यातकों को असंख्य प्रोत्साहन/अनुदान/आर्थिक सहायताएं दी गई हैं।
- झेजियांग लोंगशेंग ग्रुप की वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि चीनी उत्पादक भारतीय बाजार में निर्यात करने के लिए अत्यधिक उत्सुक हैं, किंतु पाटनरोधी शुल्कों की उपस्थिति अवरोधक का कार्य कर रही है।

### अ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

73. पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- याचिकाकर्ता का दावा कि उत्तर देने वाले निर्यातकों को यह स्थापित करना चाहिए कि पाटनरोधी शुल्कों की वापसी की

स्थिति में पाटन की निरंतरता तथा इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए, तथात्मक और कानूनी रूप से गलत है। वर्तमान जांच घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के आधार पर आरंभ की गई है और यह तथ्य उपलब्ध कराने की भावना उन पर निहित है, निर्यातकों पर नहीं।

- ii. पाटनरोधी शुल्कों की वापसी की स्थिति में पाटन के जारी रहना अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना नहीं है।

### **अ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

74. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध II (viii) की शर्तों में भारी क्षति के खतरे के विशिष्ट संदर्भ के पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना के संबंध में घरेलू उद्योग के दावों की जांच की है।

**(क) भारत में पाटित आयातों में वृद्धि की उल्लेखनीय दर महत्वपूर्ण रूप से बढ़े हुए आयातों की संभावना की ओर संकेत करती है।**

75. वर्तमान क्षति अवधि में संबद्ध आयातों की मात्रा पी ओ आई के दौरान गिरावट के बाद भी जांच की अवधि के दौरान आयातों का स्तर 2014-15 और 2015-16 के दौरान हुए आयातों के स्तर से अधिक है।

**(ख) निर्यातक की क्षमता में पर्याप्त मुक्त रूप से निस्तारणीय अथवा आसन्न वृद्धि, अतिरिक्त निर्यातों को आकृष्ट करने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, भारतीय बाजारों में उल्लेखनीय रूप से बढ़े हुए पाटित निर्यातों की संभावना की ओर संकेत करती है।**

76. भारी क्षति/क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के खतरे को सुनिश्चित करने के लिए इस पैरामीटर को विदेशी उत्पादकों और उनके द्वारा क्षमता संवर्धन, यदि कोई हो, की विद्यमान अधिशेष क्षमताओं का मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है ताकि भारतीय बाजार को निस्तारणीय मात्रा के विपथन की संभावना का अन्वेषण किया जा सके।

77. घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की वार्षिक रिपोर्टों के आधार पर संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं की मांग, उत्पादन, बिक्री के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है।

78. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर नोट किया है कि चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं के सभी उत्पादकों की संकलित क्षमता लगभग 1,20,000 मी.टन है। अकेले सहयोगी उत्पादकों के पास उपलब्ध क्षमताएं लगभग 46000 मी.टन हैं।

79. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर, आगे यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के चीनी उत्पादक भारत को निर्यात करने के लिए उत्सुक हैं।

80. प्रतिभागी उत्पादकों द्वारा दायर उत्तर से यह भी नोट किया गया है कि उनके पास उल्लेखनीय अधिशेष क्षमताएं विद्यमान हैं। फलस्वरूप, भारतीय बाजार को बढ़े हुए पाटित निर्यातों की संभावना/संभाव्यता है।

**(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर महत्वपूर्ण ह्रासात्मक अथवा न्यूनीकरण प्रभाव होगा और आगे के आयातों के लिए मांग में और वृद्धि होने की संभावना है।**

81. पी ओ आई में केवल मामूली वृद्धि के साथ, क्षति अवधि में संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य में गिरावट आई है।

82. आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई में घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत में 2 सूचकांक बिंदु की वृद्धि हुई है।

83. आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में 14 सूचकांक बिंदु की गिरावट आई है।

84. ये सभी पैरामीटर घरेलू कीमत पर ह्रासात्मक और न्यूनीकरण प्रभाव की उपस्थिति की ओर संकेत करते हैं।

**(घ) जांच की जा रही वस्तु की मालसूची**

85. प्रतिभागी उत्पादकों द्वारा दायर उत्तर से यह भी नोट किया गया है कि उनके पास संबद्ध वस्तुओं की महत्वपूर्ण मालसूचियां हैं।

**च) अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध**

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

86. इस बात की जांच की गई कि क्या ए डी नियमावली के तहत सूचीबद्ध अन्य पैरामीटर घरेलू उद्योग की क्षति में अंशदान कर सकते हैं। निम्नानुसार यह नोट किया गया:-

**(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें**

87. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, नोट किया है कि संबद्ध वस्तुओं को चीन जन.गण. के अतिरिक्त किसी अन्य देश से आयात नहीं किया जा रहा है। इसलिए, तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें इस जांच के लिए नगण्य हैं।

**(ख) मांग का संकुचन और खपत के पैटर्न में परिवर्तन**

88. पी ओ आई के दौरान मामूली गिरावट के अतिरिक्त, क्षति की अवधि में संबद्ध वस्तुओं की मांग/प्रत्यक्ष खपत में वृद्धि हुई है।

**(ग) प्रौद्योगिकी में परिवर्तन**

89. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

**(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधित पद्धतियां और उनके बीच प्रतिस्पर्धा**

90. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधित पद्धतियां नहीं हैं जो घरेलू उद्योग को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकें।

**(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन**

91. प्राधिकारी द्वारा क्षति विश्लेषण केवल उनके घरेलू प्रचालन को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इसलिए, निर्यात बाजार में निष्पादन ने वर्तमान क्षति विश्लेषण को प्रभावित नहीं किया है।

**(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

92. घरेलू उद्योग की प्रतिदिन की उत्पादकता ने क्षति जांच अवधि में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाया है। अतः यह घरेलू उद्योग के विपरीत निष्पादन के लिए मानदंड नहीं हो सकता।

**ट. प्रकटन पश्चात टिप्पणी****घरेलू उद्योग के विचार**

93. घरेलू उद्योग द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियां निम्नलिखित हैं :

- i. चीन के निर्यातकों और उत्पादकों ने सही और प्रमाणित सूचना नहीं दी है। व्यापारियों-बुइपो, चांगशान और इन्चेम तथा अन्य गैर प्रतिभागी व्यापारियों के माध्यम से भारत में तियानजिआयी निर्यात। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि इन्चेम द्वारा दायर उत्तर में उसकी तुलना में कम निर्यात की मात्रा बताई गई है जो तियानजिआयी के उत्तर में दायर था। गैर-प्रतिभागी व्यापारियों के माध्यम से किए गए निर्यात की मात्रा भी काफी लगभग 42 प्रतिशत है जो निर्यात कीमत के सही-सही और विश्वसनीय निर्धारण नहीं करने देती।
- ii. मै. फुरियन इंटरनेशनल ने निर्णायक समीक्षा प्रश्नावली भाग-2 दायर नहीं की है और इस कारण इसे गैर-प्रतिभागी माना जाना चाहिए क्योंकि निर्णायक समीक्षा जांच का आधार निर्णायक समीक्षा प्रश्नावली भाग-2 है जो पाटन/मार्जिन के जारी रहने/बार-बार होने की संभावना सिद्ध करता है।
- iii. झेजियांग एमीनो केम के संबद्ध पक्षकार हैं जो विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन/विक्री में लगे हुए हैं। तथापि, उन्होंने जांच में भाग नहीं लिया है। वह संबद्ध उत्पादक की निर्यात कीमत का उचित/विश्वसनीय निर्धारण नहीं करने देता और इसीलिए निकाले गए पाटन/क्षति मार्जिन को कम करता है। झेजियांग एमीनो केम को असहयोगी माना जाना चाहिए और उसके प्रश्नावली के उत्तर को रद्द किया जाना चाहिए।
- iv. घरेलू उद्योग की बिक्री लागत क्षति की अवधि में समान रही है जबकि बिक्री कीमत काफी 14 मूल अंकों तक कम हुई है और संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत में भी गिरावट आई है। प्राधिकारी विशेष टिप्पणी करने से अलग रहे हैं कि क्या इससे घरेलू उद्योग की कीमतों का कीमत न्यूनीकरण अथवा ह्रास होता है। याचिकाकर्ता ने संयुक्त राज्य अमरीका की मांग को पूरा करने के लिए क्षमता बढ़ाई है। उत्पाद के लिए संयुक्त राज्य अमरीका की औसत मांग 700 मी.ट. प्रति माह के क्षेत्र में है। संयुक्त राज्य अमरीका में विचाराधीन उत्पाद के लिए कोई घरेलू उत्पादन नहीं है और पूरी मांग संयुक्त राज्य अमरीका में आयातों के माध्यम से पूरी की जाती है।
- v. संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा 62 प्रतिशत है जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा घरेलू बाजार को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद 38 प्रतिशत है।

- vi. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत कम है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा की गई काफी क्षमता अभिवृद्धि पर विचार किए बिना सर्वोत्तम प्राप्त क्षमता उपयोग पर विचार करके घरेलू उद्योग की लागत को मानक बनाया है। पूर्व में प्राप्त क्षमता उपयोग पर विचार करना अथवा जांच की अवधि में विचाराधीन उत्पाद में लगाए गए खर्चों पर विचार करना तथा विगत में प्राप्त उच्चतम क्षमता उपयोग के आधार पर उसका मानक बनाना उपयुक्त नहीं है। प्राधिकारी उत्पादन के ईष्टतम स्तर पर विचार करके और उसके बाद संशोधित कारोबार के अनुपात में विचाराधीन उत्पाद तथा अन्य उत्पादों के बीच निर्धारित खर्चों का अनुपात बनाकर प्रपत्र ग-11 पुनः बना सकते हैं।
- vii. पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद आयात कीमतों में साथ-साथ गिरावट के साथ क्षति की अवधि में आयात मात्रा में काफी वृद्धि हुई है, जो कीमतों कि घरेलू उद्योग की पहले से ही कम हुई बिक्री कीमतों तथा एनआईपी से कम हैं।
- viii. घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना और संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा दायर उत्तर अधिशेष क्षमता का साक्ष्य देते हैं।
- ix. घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना चीन में उत्पादकों की अत्यधिक निर्यातोन्मुखता दर्शाती है।
- x. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण तथा ह्रास हो रहा है जो घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण तथा ह्रासमान व्यवहार होने की संभावना दर्शाता है।
- xi. उत्तरदाता निर्यातकों की उनके पास उच्चस्तरीय मालसूची है जो यह सिद्ध करती है कि वे अनुकूल बाजारों को निर्यात करना चाहेंगे।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

94. उत्पादक/निर्यातक/आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियां निम्नलिखित हैं :-

- i. जियांगशु तियांनजायी कैमिकल कं. लि. द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर को प्राधिकारी द्वारा निरस्त करना मामले के तथ्यों पर आधारित नहीं है। दो व्यापारियों अर्थात् चांगशान हेचिंग कैमिकल कं. लि. और बुइपो इंटरनेशनल, चीन जन. गण. ने जियांगशु तियांनजायी कैमिकल कं. लि. से लिए गए संबद्ध सामानों को भारत में बेचा है।
- ii. जियांगशु तियांनजायी कैमिकल कं. लि., चांगशान हेचिंग कैमिकल कं. लि., बुइपो इंटरनेशनल और इनचेम कं. लि. चीन जन. गण. ने प्राधिकारी के साथ पूरी तरह से सहयोग किया है। अतः उन्हें अलग-अलग शुल्क दर दी जा सकती है।
- III. प्राधिकारी ने इस आधार पर तुलना का "प्रतिनिधि देश" सिद्धांत अपनाया है कि चीन का अभिगम नयाचार का अनुच्छेद-15 जांच की अधिकतर अवधि के दौरान विद्यमान था। अनुच्छेद-15 को भंग करने के लिए एक बहाने के रूप में जांच की अवधि का प्रयोग करना उपयुक्त नहीं है। चीन जन.गण. में उत्पादकों तथा निर्यातकों को 11 दिसंबर, 2016 के बाद स्वतः ही बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्राप्त करना चाहिए।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

95. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियां अधिकतर पुनरावृत्ति हैं और अंतिम जांच परिणाम में उपयुक्त स्थानों पर उनका हल कर दिया गया है। तथापि, प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई विशेष टिप्पणियों का हल निम्नलिखित रूप में किया गया है।

- i. जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि निर्धारित एनआईपी बहुत कम है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईपी सत्यापित आंकड़ों और प्राधिकारी की सतत परिपाटी के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार निर्धारित की गई है।
- ii. तियांनजाई और उसके व्यापारियों के उत्तर को रद्द करने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस विशेष जांच में असंबद्ध व्यापारियों, जिनका निर्यात भारत को तियांनजाई के कुल निर्यातों का 42 प्रतिशत है, ने भाग नहीं लिया है। अतः प्राधिकारी तियांनजाई के लिए शुल्क की अलग दर निर्धारित करने की स्थिति में नहीं हैं।
- III. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए पाटनरोधी जांचों में निर्यात कीमत का निर्धारण एक नाजुक कदम है। प्राधिकारी इसे व्यापार के समान स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य पर विचार करके करते हैं। कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करना प्राधिकारी की स्थापित परिपाटी है। तुलनीय निर्यात कीमत निकालने के लिए उल्लिखित – सीआईएफ /एफओबी /एफओआर आदि कैसे निर्धारित किया जाता है, इसके आधार पर निर्यात कीमत में उपयुक्त समायोजन किए जाने की आवश्यकता होती है।

- iv. चूंकि पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रत्येक सहयोगी उत्पादक के लिए किया जाता है, अतः प्रत्येक अभिज्ञात निर्यातों के प्रत्येक चैनल के लिए और उससे प्राप्त भारित औसत के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया जाना अपेक्षित होता है।
- v. इस प्रकार, उत्तरदाता उत्पादक के लिए भारत को अपने सभी व्यापारिक चैनलों के संबंध में पूर्ण उत्तर दायर करना अनिवार्य है। जिन मामलों में निर्यात असंबद्ध निर्यातक/व्यापारी के माध्यम से हैं, उन मामलों में असंबद्ध कंपनियों से भी उत्तर अपेक्षित होता है। यह विशेष रूप से उन मामलों में भी होगा जिनमें जांच में भाग न लेने वाले असंबद्ध निर्यातकों का भारत को निर्यात का हिस्सा भारत में संबंधित उत्पादक के निर्यात का काफी अनुपात है। ऐसे मामलों में उत्तरदाता उत्पादक को सामान्य रूप में असहयोगी माना जाएगा और पूरा उत्तर रद्द किया जा सकता है।

#### ठ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

96. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की परिपाटियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग को क्षति रुकेगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी तरह संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता फिर भी आपूर्ति के 2 अथवा अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।
97. पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जोकि देश के सामान्य हित में है। इसके अतिरिक्त पाटनरोधी शुल्क लगाने से उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

#### ड. निष्कर्ष

98. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों, दी गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा प्राधिकारी के समक्ष इस जांच परिणाम में रिकॉर्ड किए गए उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पाटन तथा परिणामस्वरूप क्षति के जारी रहने की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण और पाटन एवं क्षति के जारी रहने/बार-बार होने की संभावना के विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि :
  - (i) घरेलू बाजार में चीन जन.गण. के आयातों का काफी हिस्सा बना हुआ है।
  - (ii) चीन जन.गण. से संबद्ध सामानों का निरंतर पाटन होता रहा है और पाटन जारी रहने की संभावना है तथा यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो उसके बढ़ने की भी संभावना है।
  - (iii) घरेलू उद्योग के निष्पादन में मात्रात्मक मानदंडों के संबंध में सुधार होने पर भी घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा सुधारने में सक्षम नहीं था और उसका आयातों से काफी कम हिस्सा बना हुआ है। इसके अतिरिक्त, उसका निष्पादन कीमत मानदंडों के संबंध में उस सीमा तक कम हुआ कि घरेलू उद्योग को वित्तीय हानियां, नकद हानियां और निवेश पर नकारात्मक आय हो रही थी। घरेलू उद्योग की वृद्धि प्रतिकूल है। घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति हुई है।
  - (iv) घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति जारी रहने की संभावना है।

#### ढ. सिफारिशें

99. यह निष्कर्ष निकालने पर कि यदि पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की अनुमति दी जाती है तो संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों के कारण पाटन और क्षति जारी रहने तथा और गहन होने की संभावना है, प्राधिकारी का यह मत है कि निम्नलिखित तालिका में उल्लिखितानुसार चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी उपाय लगाए जाने की आवश्यकता है।
100. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी संबद्ध सामानों के आयातों पर निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 7 में दी गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क पांच साल की अवधि के लिये लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

**शुल्क तालिका**

क्र.सं.	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	उदगम का देश	उदगम का देश	उत्पादक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29215120 एवं 29215190	‘मेटा फिनाइलीन डायमीन (एमपीडीए)*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	सिचुआन नॉर्थ हांगगांग स्पेशल केमिकल कंपनी लिमिटेड	716.13	मी. टन	अम.डा.
2	29215120 एवं 29215190	‘मेटा फिनाइलीन डायमीन (एमपीडीए)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	झेजियांग अमीनो-कैम कं. लि.	573.92	मी. टन	अम.डा.
3	29215120 एवं 29215190	‘मेटा फिनाइलीन डायमीन (एमपीडीए)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई भी देश	क्र. सं. 1 व 2 से इतर अन्य उत्पादक	1015.44	मी. टन	अम.डा.
4.	29215120 एवं 29215190	‘मेटा फिनाइलीन डायमीन (एमपीडीए)	चीन जन.गण. के अलावा कोई भी देश	चीन जन.गण.	कोई	1015.44	मी. टन	अम.डा.

\* मेटा फिनाइलीन डायमीन (एमपीडीए) जिसे एम-फिनाइलीन डायमीन 1, 3-डायामिनोबेंजीन, 1, 3-बेंजीनडायमीन, एम-अमीनोएनीलीन, एम-बेंजेडायमिन, एम-डायमिनोबेंजेन; 1,3-फिनाइलीनडायमीन, 3-एमिनोएनीलीन, एमफेनिलेन्डियमिन, फेनिलेन्डियमिन, और एम-अमीनोएनीलीन, फिनाइलनिडियामाइन मेटा के रूप में भी जाना जाता है।

**ण. आगे की प्रक्रिया**

101. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण केन्द्र सरकार के इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपील अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce )****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th December, 2018

**FINAL FINDINGS**

**Sub: Sunset Review of anti-dumping investigation on the imports of “Metaphenylene Diamine” originating in or exported from China PR.**

**A BACKGROUND OF THE CASE**

1. **F. No. 7/2/2018-DGAD.**— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the **Act**) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the **Rules**) thereof;
2. Whereas having regard to the above Act and the Rules, the Designated Authority (hereinafter referred to as the "**Authority**") initiated an anti-dumping investigation against imports of Metaphenylene Diamine originating in or exported from the China PR vide Notification No.14/4/2012-DGAD on 19<sup>th</sup> June, 2012. Provisional duties were imposed vide Notification No. 02/2013 - Customs dated 22<sup>nd</sup> March, 2013. The final findings were published by the Authority vide Notification No. 14/4/2012 - DGAD, dated the 17<sup>th</sup> December, 2013, subsequent to which the Ministry of Finance imposed definitive anti-dumping duty vide Notification No. 11/2014-Customs, dated 11<sup>th</sup> March, 2014 on imports of Metaphenylene Diamine originating in or exported from China PR.
3. Whereas, in terms of the Act and the Rules, the anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition. And, notwithstanding this provision, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the date of expiry of the measure, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
4. And whereas, M/s Aarti Industries Ltd. (hereinafter referred to as the "**Petitioner**") filed an application before the Authority in accordance with the Act and the Rules alleging continuation of dumping of Metaphenylene Diamine (hereinafter also referred to as the "**subject goods**") originating in or exported from the China PR (hereinafter also referred to as the "**subject country**"). The Petitioner has requested the Authority for review and continuation of the anti-dumping duties on the imports of the subject goods from China PR.
5. And whereas, in view of the duly substantiated application filed in accordance with Section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of the Rules, and on finding that prima facie evidence of dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR injury to the domestic industry and causal link between the alleged dumping and injury exists to justify initiation of the review investigation; the Authority issued a Notification No. F.No.7/2/2018-DGAD dated 26<sup>th</sup> February, 2018 to examine whether the expiry of the anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
6. The scope of the present review covers all aspects of the original investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

**B. GENERAL PROCEDURE**

7. The procedure described below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice of initiation of the above investigation by the Authority:
- i. The Authority notified the Embassy of China PR in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the sunset review investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5.
  - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of China PR in India, known producers/exporters from the subject country, known importers/users in India, and the domestic industry as per the addresses made available by the Petitioner and requested them to make their views known in writing within 40 days of the date of the initiation notification.
  - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of China PR in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules.
  - iv. The Embassy of China PR in India was also requested to advise the exporters/producers from its respective country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.
  - v. The Authority sent Exporter's Questionnaire to elicit relevant information from the following known producers/exporters in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
    - a. Norino Group Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd;
    - b. Shanghai Amino-Chem Co., Ltd;
    - c. Jiangsu Tianjiayi Chemical Co., Ltd;
    - d. China Sun Speciality Products Co. Ltd.,
  - vi. The following producers/exporters from the subject country responded to the Authority:
    - a. Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd.
    - b. Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd.
    - c. Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd.
    - d. Buipo International
    - e. Changshan Haicheng Chemical Co., Ltd.
    - f. Inchem Co., Ltd. (Exporter)
    - g. Furion International (Exporter)
  - vii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
    - a. Aaishwariya Chemicals Pvt. Ltd.
    - b. Anil Colours Industries Pvt. Ltd.
    - c. Ankur Chemicals
    - d. Aries Dye Chem Industries;
    - e. Aries Organics Pvt. Ltd.
    - f. Bodal Chemicals Ltd. Unit-1;
    - g. Chemworld Inc;
    - h. Chhatariya Dye Stuff P. Ltd.
    - i. Hexone Interchem Pvt. Ltd.
    - j. Indo Colchem Ltd.;
    - k. Jainik Industries;

- 
- l. Krishna Industries;
  - m. Loxim Industries Limited;
  - n. Macsen Laboratories;
  - o. Monica Industries;
  - p. Novacid Pvt. Ltd.;
  - q. Orjet Intermediates Pvt. Ltd.;
  - r. Prashant Industries
  - s. Rohan Dyes and Intermediates Ltd;
  - t. Shree Pushkar Petro Products Ltd.;
  - u. Shreeji Organics
  - v. Solar Dye Industries;
  - w. Synthopharma Chemicals;
  - x. Hindprakash International;
  - y. Chemex Cehmicals;
  - z. Yash Chemex Inc.
- viii. The following importer of the subject goods has responded by filing an Importer questionnaire response.
- a. Rohan Dyes and Intermediates Ltd.
- ix. The Authority made available non-confidential version of the evidence and submissions presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DGCIS data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions.
- xi. The Non-Injurious Price (NIP) has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry, based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India and a reasonable amount of return on capital employed. The optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods has been based on the information furnished by the domestic industry in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules.
- xii. The Authority held an oral hearing on 29<sup>th</sup> June, 2018 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6). The hearing was attended by the representatives of the domestic industry and other interested parties who presented their views orally and were subsequently advised to file written submissions of the same with the Authority.
- xiii. Verification of the data of the interested parties was carried out to the extent considered necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon by the Authority.
- xiv. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review investigation is 1<sup>st</sup> October, 2016 to 30<sup>th</sup> September, 2017 (12 months). The injury investigation period will cover the years April 2014-March 2015, April 2015- March 2016, April 2016- March 2017 and the POI.
- xv. In accordance with Rule 16 of the Rules, the essential facts which formed the basis for these findings were disclosed to known interested parties on 13<sup>th</sup> November 2018 and comments received on the same have been considered in these Final Findings.

- xvi. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in these final findings.
- xvii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, the interested parties were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xix. ‘\*\*\*’ in this document represents information furnished to the Authority on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.66.07 = 1 US\$.

### C. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

#### C.1 **Views of the Domestic industry**

8. The views of the domestic industry are as follows:
- The present investigation is a sunset review investigation. The product involved in the original investigation and in the present sunset review investigation is Metaphenylene Diamine (hereinafter also referred to as the "subject goods" or "PUC"). The PUC in the present sunset review investigation is the same as has been defined by the Authority in the original investigation.
  - The PUC in the present sunset review investigation is 'Meta Phenylene Diamine', also referred to as MPDA. Other names of the PUC are m- Phenylene Diamine; 1,3-diaminobenzene; 1,3-Benzenediamine; m-Aminoaniline; m-Benzenediamine, m-Diaminobenzene; 1,3-Phenylenediamine; 3-Aminoaniline, m-Fenylenediamin, Phenylenediamine, m; and Phenylenediamine, m. Commercially it is also called MPD or MPDA.
  - Under normal (room) conditions, it is a colourless or white colour solid, which tends to turn red, purple (dark colour) in air, on storage.
  - Meta Phenylene Diamine functions as a chemical intermediate. It is used for manufacturing dyes, engineering polymer, aramid fiber and also in photography & medical applications.
  - Metaphenylene Diamine is classified under Chapter 29 (Organic Chemical) of the Customs Tariff Act, 1975, under customs tariff item 29215120. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

#### C.2 **Views of other Interested Parties**

9. None of the interested parties has made any submissions in this regard.

#### C.3 **Examination by the Authority**

10. The PUC in the present sunset investigation is 'Meta Phenylene Diamine', also referred to as MPDA. Other names of the PUC are m- Phenylene Diamine; 1,3-diaminobenzene; 1, 3-Benzenediamine, m-Aminoaniline; m-Benzenediamine, m-Diaminobenzene; 1,3-Phenylenediamine; 3-Aminoaniline, m-Fenylendiamin, Phenylenediamine, m; and Phenylenediamine, m. Commercially it is also called MPD or MPDA.
11. Metaphenylene Diamine is classified under Chapter 29 (Organic Chemical) of the Customs Tariff Act, 1975, under customs tariff item 29215120. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
12. The present investigation being a sunset review investigation and anti-dumping duties, as recommended earlier by the Authority, being in force on the imports of the subject goods from the subject country, the Authority considers that the scope of the subject goods in the present investigation remains the same as that in the original investigation.
13. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules provides as under:
- "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*
14. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference between the PUC exported from the subject country and the product produced by the domestic industry. The subject product produced by the domestic industry is comparable to the PUC in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
15. Thus, the Authority holds that the subject product produced by the applicant domestic industry is like article to the PUC exported from the subject country, in accordance with the AD Rules.

#### **D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**

##### **D.1 Submissions by the domestic industry**

16. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:
- i. The petition has been filed by M/s Aarti Industries Ltd., which is the only producer of the PUC in India. There is no other producer of the subject goods in India. The following are the details of the PUC as produced by the Petitioner:

S.No	UOM	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	October September 2017	2016-
1.	Aarti Industries Ltd.	MT	***	***	***	***	
	Share of Petitioner	%	100	100	100	100	

- ii. The Petitioner has not imported the subject goods during the POI and it is also not related to any exporter of the subject goods in the subject country or any importer of the PUC in India within the meaning of Rule 2(b).

**D.2 Views of other Interested Parties**

17. None of the interested parties has made any submissions in this regard.

**D.3 Examination by the Authority**

18. The application has been filed by M/s Aarti Industries Ltd. As per the information provided by the Applicant, there is no other producer of the subject goods in India. The production of the subject goods by the Petitioner is as shown in the table below.

**Statement of Domestic Production**

S.No	UOM	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	October September 2017	2016-
2.	Aarti Industries Ltd.	MT	***	***	***	***	
	Share of Petitioner	%	100	100	100	100	

19. Further, as per the information submitted by the Applicant, it is not found to have imported the subject goods during the POI and it is also not found to be related to any exporter of the subject goods in the subject country or any importer of the PUC in India within the meaning of Rule 2(b).

20. In view of the above and after due examination, the Authority holds that the Applicant satisfies the standing requirements and constitutes domestic industry under Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules.

**E. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY****E.1 Views of the domestic industry**

21. Submissions made by the domestic industry are as follows:

- Section VI of the anti-dumping proforma contains vital information regarding the costing of the applicant industry. Disclosure of actual information with regard to same can jeopardize the future business in the product.

**E.2 Views of the other interested parties**

22. Submissions made by the other interested parties are as follows:

- The domestic industry has claimed excessive confidentiality and filed an incomplete petition. In response to Section-VI (Costing Information) of the Petition, the domestic Industry has not furnished any information at all.
- The petition filed does not contain information about various important parameters for the period of investigation.

**E.3 Examination by the Authority**

23. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

*“Confidential information”*

*(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either un-willing to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”*

24. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

**F. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

**F.1 Views of the domestic industry**

25. The domestic industry has made following submissions :

- a. Out of the 7 Exporter Questionnaire responses filed, all of the producers/exporters have held the information regarding the domestic or export sales of the PUC as confidential and one of the responding exporters, namely Zhejiang-amino Chem, has abstained from fully providing the value chain information, thus, hampering the opportunity of the domestic industry to make comments on its parent company's total capacity and sales channel.
- b. One of the provisions of Accession Protocol expired on 11<sup>th</sup> December, 2016. The Authority should however proceed with present investigation considering Chinese producers as producers operating in non-market economy conditions due to reasons given below.
  - i. The investigation period considered by the Authority in the present case is October 2016 to September 2017 (12 months).
  - ii. The Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies for the reason that the costs and prices in China do not reasonably reflect the market forces. Para 8 of Annexure-I specifies the parameters which should be considered for grant of market economy status.

- iii. Since Chinese companies have been denied market economy status for the reasons mentioned in Para 8 of Annexure-I till December, 2016, the petitioner submits that the Chinese producers are thus required to be treated as non-market economy companies till such time the investigation period includes the period specified in Accession Protocol. The Authority may therefore proceed to determine the normal value on the basis of Para 7 of Annexure-I to the AD rules.
- iv. In case any of the interested parties contend that provisions of Article 15(a) (ii) have ceased to exist and cannot be applied to the present case, the petitioner submits that the provisions of Article 15(a) (i) shall still be considered for determination of Normal Value.
- v. Normal value could not be determined on the basis of price of like article in an appropriate market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. The petitioner has claimed consideration of normal value on the basis of cost of production in India duly adjusted.

## **F.2 Views of other interested parties**

26. The following submissions have been made with regard to normal value, export price and dumping margin:
- i. China PR had been treated as a Non-Market Economy country by India in the past. In accordance with relevant provisions of China's Accession Protocol, the surrogate country treatment does not have international legal validity since 11<sup>th</sup> December 2016. Such practice is bound to expire from then on.
  - ii. After 11<sup>th</sup> December 2016, the Indian anti-dumping legal framework cannot contain any provisions allowing for the construction of normal value for Chinese producers apart from their domestic prices and costs.

## **F.3 Examination by the Authority**

### **F.3.1 Determination of Normal Value for Producers and Exporters in China**

27. The provisions pertaining to normal value are given in Section 9A(1)(c) of the Act and Annexure - I to AD Rules. According to Section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975, 'Normal Value' in relation to an article means:
- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when destined for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
  - (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –*
    - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
    - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of*

*export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

28. Annexure-I to the AD Rules states as herein under:

*7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

*8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub paragraph (3)*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country.*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3).*

*(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

*(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and in-puts, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*

*(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*

*(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.*

*Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph".*

29. The Authority notes that the conditions prevalent during the investigation period are relevant for the purpose of the present investigation. The POI for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> October, 2016 to 30<sup>th</sup> September, 2017. Section 15(a) (ii) of the Protocol of Accession of People's Republic of China was very much in existence during the POI. Accordingly, the Authority advised the producers/exporters in China PR to provide relevant information to demonstrate prevalence of market conditions related to manufacture, production and sales of the subject goods in the domestic market and in exports to India and other countries. Accordingly, copies of supplementary questionnaire were sent to all the known producers/ exporters for providing information in regard to the criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested the Government of China PR to advise the producers/ exporters in China PR to provide the relevant information. However, none of the exporters from China PR submitted the supplementary questionnaire providing the requisite information.
30. Normal value for the subject goods imported from China PR into India has accordingly been constructed on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.

### **F.3.3 Determination of Export Price for producers and exporters in the subject country**

31. The Authority notes that three producers from China PR have furnished information to the Authority which could be used for determination of export price and individual dumping margin. These are:
- Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd.
  - Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd.
  - Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd.

Therefore, the Authority has analysed the response made by the producers/exporters as follows:

#### **Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. (Tianjiayi) (Producer) and M/s Buipo International, China PR (Exporter), Changshan Haicheng Chemical Co., Ltd. (Exporter), and Inchem Co., Ltd. (Exporter)**

32. The Authority notes that Tianjiayi has exported \*\*\* MT of the subject goods to India directly and through unrelated traders. Out of these unrelated traders only Buipo International, Changshan Haicheng Chemical Co., Ltd. and Inchem Co., Ltd have filed the response. Further, quantity reported by Tianjiayi as Inchem's exports to India does not match with the quantity reported by Inchem as exports to India. Since, the quantity exported through non-participating traders is quite significant (almost 42%), the authority is not in a position to determine the export price for the above-mentioned producer and trader. Accordingly, the Authority rejects the response filed by Tianjiayi and its traders and instead determines the export price on the basis of facts available.

#### **Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd. (Hongguang) (Producer) and Furion International (Exporter)**

33. The Authority notes that Hongguang has exported \*\*\* MT of the subject goods to India directly and through an unrelated trader, namely Furion International. All sales were made to unrelated customers in India. Hongguang has claimed adjustments on account of inland freight, ocean freight, marine insurance, credit cost and bank charges. Accordingly, the Authority has determined the ex-factory export price as \*\*\* US\$/MT.

#### **Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd. (Producer/Exporter) (Zhejiang)**

34. The Authority notes that Zhejiang has exported \*\*\* MT of the subject goods to India directly. Zhejiang has claimed adjustments on account of inland freight, ocean freight, marine insurance, packing, handling, credit cost and bank charges. Accordingly, the Authority has determined the ex-factory export price as\*\*\*US\$/MT

#### **F.3.4 Export Price for non-cooperating producers/exporters**

35. The Authority has determined the export price for producers/exporters in the subject country on the basis of the DGCI&S transaction -wise data. The export price has been adjusted on account of Freight, Marine Insurance, Bank Charges, Port Expenses to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the normal value and net export price at ex-factory level for exports from the subject country is as shown in the dumping margin table below.

#### **F.4 Determination of dumping margin for producers and exporters in the subject country**

36. Considering the normal value and export price as above, the dumping margin for all exporters of the subject goods from the subject country is determined as below:

S.No	Producer	Exporter	Constructed Normal Value (USD/MT)	Net Export Price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (Range)
1.	Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd.	3. Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd. 4. Furion International	***	***	***	***	30-40
2.	Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd	Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd	***	***	***	***	20-30
3.	Others	Others	***	***	***	***	40-50

### **G. INJURY AND CAUSAL LINK**

#### **G.1 Views of the Domestic industry**

37. The following are the injury related submissions made by the Petitioner during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- Demand for the subject goods has increased over the injury period with some decline in the POI.
  - Imports have increased significantly in absolute terms over the injury period with some decline in the POI.
  - Though imports in relation to production and consumption in India have declined in the POI, they remain

- significant in the POI despite imposition of anti-dumping duty.
- iv. Import prices have declined drastically without a corresponding decline in the raw material costs.
  - v. Landed price of imports is significantly below the selling price of the domestic industry. It is in fact much below the level of costs from 2015-16 onwards.
  - vi. Landed price of imports is far below the selling price and also the cost of production of the domestic industry. Significant imports at low price have forced the domestic industry to lower its selling price. Cessation of anti-dumping duty will lead to significant depressing effect on domestic selling prices.
  - vii. The Petitioner increased capacity for the PUC considering the current and potential growth in demand.
  - viii. Production declined between 2014-15 and 2015-16 and increased thereafter. The increase is however much less as compared to the demand and capacities created.
  - ix. Capacity utilization declined sharply over the injury period, not due to addition of capacity, but due to absence of market caused by dumping.
  - x. Though Petitioner was able to increase its sales by selling goods at low price, the increase in sales is however much below the expected level.
  - xi. Domestic industry's market share increased only marginally and the market share of subject imports remained significant. The domestic industry holds a mere 37% market share whereas imports from China PR hold 63%.
  - xii. Cash profit and profit before interest earned by the domestic industry declined drastically over the injury period.
  - xiii. Return on capital employed earned by the domestic industry, though positive, declined sharply throughout the injury period.
  - xiv. Imposition of anti-dumping duty initially led to improvement in the domestic industry's profitability. However profitability again started to deteriorate in view of dumped imports at prices much below the level of cost of sales and selling price of the domestic industry.
  - xv. The average inventories increased sharply in the POI.
  - xvi. Productivity per day has increased over the injury period in consonance with movement of production.
  - xvii. Level of employment and wages paid has also increased over the injury period.
  - xviii. While production and sales show a positive growth, the capacity utilization and inventories showed a negative growth. Growth in parameters such as profit, cash profit and return on capital employed was negative.
  - xix. Decline in profits is not due to increase in capacities but largely due to steep decline in selling price as a result of price undercutting.
  - xx. The domestic industry had increased its capacity keeping in view the growing demand in the domestic and export markets. The increase in net fixed assets is a result of the increased capacities.

38. The domestic industry made following submissions regarding the presence of causal link:

- i. Once it is shown that there is an adverse volume and price effect from dumped imports and the effects of injury caused by dumped imports are demonstrated in terms of the parameters set out in para (iv) of Annexure II, then the only basis to conclude that the injury is caused or not caused by the dumped imports is through non-attribution analysis.
- ii. The pattern of consumption with regard to the PUC has not undergone any change.
- iii. There is no trade restrictive practice which could have contributed to injury to the domestic industry.
- iv. Technology for production of the product has not undergone any change.
- v. Listed known other factors also do not establish that injury has been caused by these other factors.

## **G.2 Views of other interested parties**

39. The submissions made by other interested parties during the course of investigation with regard to injury and causal link, which have been considered relevant by the Authority, are as under:

- i. Imports have increased with the increase in demand and vice versa. Thus, it cannot be said that there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.
- ii. Injury is mainly caused to the domestic industry because of undue/unjustified capacities. The domestic industry is not able to stabilize its capacities which has resulted in economic injury to it.
- iii. Despite having huge unutilized capacities, the domestic industry further increased the capacity during the POI, resulting in inefficient capacity utilization. There was no need of increasing the capacity by the petitioner.
- iv. The Petitioner's domestic sales have increased substantially during the POI as compared to the base year 2014-15. It appears that the Petitioner is focusing on the exports rather than selling the subject goods in Indian market.
- v. Inventory level should not be examined in isolation, but in relation to sales or production.
- vi. Cost of sales has declined during the POI as compared to base year 2014-15. Landed price also declined with the decrease in the cost of sale.
- vii. Price undercutting should not be seen in isolation. Despite there being positive price undercutting, domestic Industry has improved its performance.
- viii. The petition shows that the domestic industry's profitability has reduced during the POI when compared to 2014-15. However as per Annual Report of Aarti Industries Ltd., the total profitability of the company is improving significantly.
- ix. Net fixed assets and working capital have increased substantially during the POI as compared to the base year 2014-15.
- x. No. of employees has increased during the POI as compared to the base year 2014-15.
- xi. Any injury allegedly suffered by the domestic industry is due to factors other than imports from the subject country. The Petition deliberately fails to address a number of crucial issues which had an impact on the

domestic industry independent of the subject imports.

### **G.3 Examination by the Authority**

40. The submissions made by the interested parties during the course of investigation with regard to injury and causal link, which have been considered relevant by the Authority, are examined and addressed below.
41. The Authority has assessed injury by examining both volume effect and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on the domestic industry.

#### **G.3.1 Volume effect of dumped imports**

##### **a) Assessment of demand**

42. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the PUC in India as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

**Demand for the PUC in India**

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	95	91	137
Imports from the subject country	MT	2,475	3,148	4,549	3,383
<b>Total Demand</b>	<b>MT</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>	<b>***</b>
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	115	149	137

43. The Authority notes that the demand for the PUC increased continuously and significantly from 2014-15 to 2016-17 but declined slightly in the POI.

##### **b) Import volumes and share of subject country**

44. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject country has been analysed as under:

**Imports and Market Share**

S.No	Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
1.	Imports from China PR	MT	2,475	3,148	4,549	3,383

2.	Total consumption in India	MT	***	***	***	***
3.	Total production in India	MT	***	***	***	***
Volume of imports from subject country in relation to						
4.	Demand in India	%	***	***	***	***
	Indexed		100	111	124	100
5.	Production in India	%	***	***	***	***
	Indexed		100	156	142	74

45. From the above table, it can be seen that:

- i. The imports from the subject country have increased continuously over the injury period, except for a decline in the POI.
- ii. The share of subject imports in relation to consumption in India has increased over the injury period, except for a decline in the POI.
- iii. The share of subject imports in relation to production in India increased from 2014-15 to 2015-16. It thereafter declined in 2016-17 and further declined in the POI.

### G.3.2 Price effect of dumped imports

46. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports when compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

#### a) Price Undercutting

47. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the PUC from the subject country and the selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The price of the domestic industry was determined at the ex-factory level. The margin of undercutting is shown as per the table below:

#### Price Undercutting

S.No	Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
1.	Landed price of imports	Rs./kg	240	189	185	191
2.	Net Sales Realisation of domestic industry in India	Rs./kg	***	***	***	***
3.	Price undercutting	Rs./kg	***	***	***	***

4.	Price undercutting	%	***	***	***	***
5.	Price undercutting	Range	0-10	10-20	20-30	10-20

48. Price undercutting by imports of subject goods from China PR is positive.

**b) Price Underselling**

49. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports from the subject country. Comparison of the NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

**Price Underselling**

S.No	Particulars	Unit	China PR
1.	Landed price of imports	Rs./kg	***
2.	Non-Injurious Price	Rs./ kg	***
3.a	Price underselling	Rs./ kg	***
3.b	Price underselling	%	***
3.c	Price underselling	Range	15-25

50. It is noted from the above table that imports are coming into India below the NIP of domestic industry.

**c) Price suppression and depression effects of the dumped imports**

51. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority has considered the changes in the costs and prices over the injury period.

**Price Suppression/ Depression**

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Landed value	Rs./kg	240	189	185	191
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>79</i>	<i>77</i>	<i>80</i>
Cost of sales per unit – domestic sales	Rs./MT	***	***	***	***

<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>88</i>	<i>106</i>	<i>100</i>
Selling price per unit – domestic sales	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>82</i>	<i>91</i>	<i>86</i>

52. From the above table, it can be seen that:

- i. The landed value of imports from the subject country has declined in the injury period, having only marginally increased in the POI.
- ii. The cost of sales of the domestic industry has remained the same in the POI as compared to the base year.
- iii. Selling price of the domestic industry has declined by 14 indexed points in the POI as compared to the base year.

53. Thus, imports have caused price suppression and depression in the domestic market.

### **G.3.3 Examination of Economic Parameters relating to Domestic Industry**

54. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

55. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration; while some may show improvement. The Designated Authority considers all injury parameters and thereafter concludes whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments in the submissions.

56. Accordingly, various economic parameters of the domestic industry are analyzed herein below:

#### **a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Domestic Sales**

57. The performance of the domestic industry with regard to production, capacity, capacity utilization, and domestic sales was as follows:

S.No	Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
5.	Capacity	MT	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>180</i>	<i>308</i>	<i>400</i>

6.	Production	MT	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>82</i>	<i>129</i>	<i>185</i>
7.	Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>45</i>	<i>42</i>	<i>47</i>
8.	Domestic Sales	MT	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>95</i>	<i>91</i>	<i>137</i>

58. From the above table, it can be seen that:

- Capacity has substantially and continuously increased over the injury period.
- Production declined from 2014-15 to 2015-16, however it significantly and continuously increased thereafter in 2016-17 and also during the POI.
- Capacity utilization decreased continuously in the injury analysis period though it marginally increased in the POI.
- Domestic sales volume decreased slightly during 2015-16 and 2016-17 and thereafter it substantially increased in the POI.

59. It thus noted that despite sufficient capacity available with the domestic industry, the domestic industry not able to produce and sell at optimum level in view of existence of dumped imports.

**b) Market Share**

60. The effect of the dumped imports on the market share of the domestic industry has been examined as below:

**Market share in Demand**

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Share of subject country	%	62	69	77	62
Share of domestic industry	%	38	31	23	38
Total	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

61. From the above table, it can be seen that:

- Market share of imports from the subject industry during the POI is same as that in the base year of the injury period.
- Market share of the domestic industry during the POI is same as that in the base year of the injury period.

62. It is thus seen that subject imports constitute a major share in the domestic market despite domestic industry having sufficient capacity.

c) **Inventories**

63. The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table.

**Inventory**

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Inventory	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>82</i>	<i>77</i>	<i>111</i>

64. From the above table, it can be seen that:

- i. The average inventory has declined in the injury period, except for a steep increase in the POI.

d) **Profits, return on investment and cash flow**

65. The profit/loss, cash profits and return on investment of the domestic industry has been analysed as follows:

**Profits, return on investment and cash flow**

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Profit/loss-per unit	Rs. MT	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>10</i>	<i>-66</i>	<i>-63</i>
Profit/loss	Rs. lacs	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>9</i>	<i>-60</i>	<i>-87</i>
Profit before interest	Rs. lacs	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>35</i>	<i>-0.49</i>	<i>-28</i>
Cash Profits	Rs. lacs	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>28</i>	<i>-14</i>	<i>-21</i>
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>32</i>	<i>-0.14</i>	<i>-7</i>

66. From the above table, it can be seen that:

- i. The profitability of the domestic industry have declined significantly over the injury period.
- ii. PBIT for domestic sales has declined substantially and continuously over the injury period.
- iii. Cash profits made by the domestic industry have declined substantially and continuously in the injury period.
- iv. The domestic industry earned healthy ROCE in 2014-15. It however declined continuously in the injury period.

**e) Employment and Productivity**

67. The number of employees engaged by the Petitioner and the position with regard to productivity is as follows:

**Employment and Productivity**

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
No of Employees	Nos	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>121</i>	<i>232</i>	<i>221</i>
Productivity Per Day	MT/Day	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>82</i>	<i>129</i>	<i>185</i>
Productivity Per employee	MT/Employee	***	***	***	***
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>68</i>	<i>56</i>	<i>84</i>

68. From the above table, it can be seen that:

- i. The number of employees engaged by the domestic industry has increased significantly over the injury period.
- ii. Productivity per employee declined significantly in the injury period. It however increased steeply in the POI.

**f) Growth**

Particulars	UOM	2014-15	2015-16	2016-17	POI
Production volume	%	-	-18%	58%	43%
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>		<i>(100)</i>	<i>420</i>	<i>336</i>
Capacity utilization			-55%	-8%	10%

<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>		(100)	(86)	119
Domestic sales volume	%	-	-5%	-4%	50%
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>		(100)	(85)	1025
Profits(PBT)	%	-	-91%	-755%	-44%
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>		(100)	(831)	(49)
ROCE	%		-68%	-99%	-4891%
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>		(100)	(147)	(7166)
Cash profits	%		-72%	-149%	-53%
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>		(100)	(206)	(73)

69. The Authority notes the following regarding the growth of the aforesaid parameters of the domestic industry:

- i. Production, capacity utilization, and domestic sales have improved. However, they remain much below the optimum level.
- ii. Profits (PBT), Cash profits and return on capital employed have consistently declined.

#### H. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

70. The determined non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry has been compared with the landed value of the imports from the subject country of each participating producer for determination of injury margin during POI as under:

S.No	Producer	Exporter	NIP (USD/MT)	Landed Value (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin (Range)
4.	Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd.	a) Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd. b) Furion International	***	***	***	***	25-35
5.	Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd	Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd	***	***	***	***	15-25

6.	Others	Others	***	***	***	***	45-55
----	--------	--------	-----	-----	-----	-----	-------

# **I. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY**

71. The Authority notes that this is a sunset review investigation and the focus of this investigation is to examine the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury if the anti-dumping duties were to be allowed to expire.

## **I.1 Views of the domestic industry**

72. The domestic industry made the following submissions in support of its claim of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury:
- i. The requirements under Trade Notice No 02/2017 issued by the Authority does not appear relevant to the present case.
  - ii. There is a history of continued dumping of Metaphenylene diamine in India. The Indian industry faces the consequence of continued dumping. Imports have increased significantly at low price, in spite of imposition of anti-dumping duty. There has been significant decline in the import price without corresponding decline in the raw material thus indicating intensified dumping from the subject country.
  - iii. Despite imposition of anti-dumping duty, the subject goods concerned continues to be imported in significant volumes.
  - iv. Producers in the subject country are having excessive production capacities. The aggregate capacities of all producers of the subject goods in China PR is approximately 1,20,000 MT.
  - v. From a perusal of the Annual Reports of the Zhejiang Longsheng Group over the years, it is evident that the exporters from China PR have very high export orientation worldwide. The operating income of one of the producers in China PR from export sales has increased whereas the same from their domestic sales have declined. The Annual Report of the exporter clearly states that one of the key export market is India. This clearly establishes the likelihood of increased imports in case the anti-dumping duty is allowed to cease.
  - vi. Continued presence of dumped imports has prevented the domestic industry from recovering from the past effects of dumping. In the event of cessation of current antidumping duty, the domestic industry will have to either decrease the selling price by the amount of anti-dumping duty or maintain the current selling price. In either case, it will suffer material injury by way of significant losses.
  - vii. The prices at which subject imports are entering the India market are substantially lower than the domestic selling prices. Therefore, in case of expiry of anti-dumping duty, exporters would further channelize their output into the Indian market as they are already holding excessive capacities.
  - viii. Should the present anti-dumping duty cease to exist, price undercutting would increase further.
  - ix. The responding exporters must establish that dumping is unlikely to continue or recur in the event of revocation of anti-dumping duties.
  - x. Chinese producers have enhanced their exports to India and are still commanding 62% of demand for the

PUC in India.

- xi. A perusal of the Annual Reports of the producers in China shows that there are numerous incentives/grants/subsidies given to the producers/exporters by the Chinese government. This establishes unfair play.
- xii. The Annual Reports of Zhejiang Longsheng Group clearly shows that the Chinese producers are very much keen to export to the Indian market, but the presence of anti-dumping duties is acting as a barrier.

## **I.2 Views of other interested parties**

73. Submissions made by other interested parties regarding likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury are as under:
- i. Claims of the petitioner that the responding exporters must establish that dumping is unlikely to continue and recur in the event of revocation of anti-dumping duties are factually and legally incorrect. The present investigation has been initiated based on the petition filed by the domestic industry and onus of proving this fact lies on them and not on exporters.
  - ii. Dumping is unlikely to continue or recur in the event of revocation of anti-dumping duties.

## **I. 3 Examination by Authority**

74. The Authority has examined the contentions of the domestic industry in regard to likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury with specific reference to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules.

**(a) significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation**

75. The volume of subject imports in the current injury period has increased continuously except for decline during the POI. Even after decline, the level of imports during POI is higher than the level of import during 2014-15 and 2015-16.

**(b) sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports**

76. This parameter for ascertaining the threat of material injury/likelihood of recurrence of injury requires evaluation of existing surplus capacities with foreign producers and capacity addition by them, if any, to explore the possibility of diversion of disposable quantity to Indian market.
77. The domestic industry has provided information regarding demand, production, sales of the subject goods in the subject country based on the Annual Reports of producers of the subject goods in China PR.
78. The Authority, on the basis of information submitted by the Petitioner, notes that the aggregated capacities of all producers of the subject goods in China PR is approximately 1,20,000 MT. The capacities available with cooperating producers alone total to 46000 MT.
79. On the basis of information submitted by the Petitioner, it is further noted that Chinese producers of the subject goods are keen on exporting to India.

80. It is also noted from the response filed by participating producers that there exist significant surplus capacities with them. There is consequently likelihood /possibility of increased dumped exports to Indian market.

**(c) whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports**

81. The landed value of imports from the subject country has declined in the injury period, having only marginally increased in the POI.

82. The cost of sales of the domestic industry has increased by 2 indexed points in the POI as compared to the base year.

83. Selling price of the domestic industry has declined by 14 indexed points in the POI as compared to the base year.

84. All these parameters point to the presence of depressing and suppressing effect on the domestic price.

**(d) inventories of the article being investigated**

85. It is also noted from the response filed by participating producers that they have significant inventories of the subject goods.

**J. OTHER KNOWN FACTORS & CAUSAL LINK**

**Examination by the Authority**

86. It was examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted as follows:

**(a) Volume and prices of imports from third countries**

87. The Authority notes, as per information, submitted by the Petitioner, that the subject goods are not being imported from any country other than China PR. Therefore, volume and prices of imports from third countries is immaterial for this investigation.

**(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.**

88. There has been an increase in demand/apparent consumption of the subject goods over the injury period except for a slight decline during the POI.

**(c) Developments in technology:**

89. Technology for production of the product concerned has not undergone any change.

**(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

90. There is no trade restrictive practice, which could have adversely affected the domestic industry.

**(e) Export performance of the domestic industry**

91. The injury analysis has been done by the Authority taking into consideration their domestic operations only. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis.

**(f) Productivity of the Domestic Industry**

92. Per day productivity of the domestic industry has shown significant improvement over the injury investigation period. Hence, it cannot be a criterion for adverse performance of the domestic industry.

**K. POST DISCLOSURE COMMENTS:-**

**Views of domestic industry**

93. Following are the post disclosure comments made by Domestic Industry:

- i. Chinese exporters and producers have not provided correct and certified information. Tianjiayi exports to India via traders -Buipo, Changshan and Inchem and other non-participating traders. The Authority has also noted that the response filed by Inchem underreports quantity of exports in comparison to what was filed in Tianjiayi's response. The quantity exported through non-participating traders also is quite significant at about 42% which does not allow for an accurate and reliable determination of the export price.
- ii. M/s Furion International has not filed SSR Questionnaire Part II and on this account itself it should be held as non-cooperative as the basis of an SSR investigation is SSR questionnaire Part II, which establishes the likelihood of continuation/recurrence of dumping/ injury.
- iii. Zhejiang Amino Chem has related parties engaged in the production/sales of the PUC. However, they have not participated in the investigation. It does not allow for a proper/reliable determination of the export price of the subject producer and hence distorts the dumping/injury margins arrived. Zhejiang Amino Chem should be treated as non-cooperative and its questionnaire response should be rejected.
- iv. The domestic industry's cost of sales has remained the same over the injury period while the selling price has declined significantly by 14 basis points and landed prices of the subject imports has also declined. The Authority has refrained from making specific observation as to whether this results in price suppression or depression of the domestic industry's prices. The Petitioner has increased capacity to cater to US demand. Average US demand for the product is in the region of 700 MT per month. There is no domestic production for the PUC in US and the entire demand is met through imports in US.
- v. The market share of the subject imports is 62% whereas that of the domestic industry is 38% despite domestic industry having sufficient capacity to cater to the domestic market.
- vi. The NIP determined by the Authority is low. The Authority has normated the cost of the domestic industry by considering best achieved capacity utilization without considering the significant capacity addition made by the domestic industry. It is not appropriate to consider the past achieved capacity utilization, or to consider expenses charged to the PUC in the POI and normate the same on the basis of highest capacity utilisation achieved in the past. The Authority may recast Format C-II by considering optimum level of production and thereafter apportioning fixed expenses between PUC and other products in the ratio of revised turnover.
- vii. Despite existence of anti-dumping duty, import volumes have increased significantly over the injury period with a simultaneous decline in import prices, which are much below the NIP as well as the already reduced selling prices of the domestic industry.
- viii. Information provided by the domestic industry and responses filed by exporters from the subject country evidences surplus capacity.
- ix. Information provided by domestic industry shows high export orientation of the producers in China.

- x. Imports are suppressing and depressing the prices of the domestic industry indicating their likely behavior of suppressing and depressing the domestic prices.
- xi. Responding exporters have high level of inventories with them, thus establishing that they would want to export to favorable markets.

**Views of other interested parties:-**

94. Following are the post-disclosure comments made by the producer/exporter/ importers/ other interested parties:

- i. The Authority's rejection of the exporter's questionnaire response by Jiangsu Tianjiayi Chemical Co., Ltd., is not based on the facts of the case. Two traders, namely, Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd and Buipo International, China PR have sold all the subject goods to India sourced from Jiangsu Tianjiayi Chemical Co., Ltd.
- ii. Jiangsu Tianjiayi Chemical Co., Ltd., Changshan Haicheng Chemical Co., Ltd., Buipo International and Inchem Co., Ltd., China PR, have fully cooperated with the Authority and they may hence be granted individual rate of duty.
- iii. The Authority has still adopted the "surrogate country" method of comparison on the ground that Article 15 of China's Accession Protocol was in existence during most of the POI. It is not reasonable to use the POI as an excuse for breaching Article 15. Producers and exporters in China PR should automatically obtain market economy status after 11<sup>th</sup> December 2016.

**Examination by the Authority**

95. The post-disclosure comments made by the interested parties are mostly reiterations and have been addressed at appropriate places in the final findings. However, the specific comments considered relevant by the Authority are addressed below:

- i. As regards the submission of the domestic industry that the NIP determined is too low, the Authority notes that the NIP has been determined as per Annexure III of the AD Rules based on verified data and consistent practice of the Authority.
- ii. With regard to the rejection of the response of Tianjiayi and its traders, the Authority notes that in this particular investigation unrelated traders, whose exports constitute 42% of Tianjiayi's total exports to India, have not participated. Therefore, the Authority is not in a position to determine an individual rate of duty for Tianjiayi.
- iii. The Authority notes that determination of export price is a crucial step in anti-dumping investigations to ensure fair comparison. The Authority does this by considering the export price and normal value at the same level of trade. It is the established practice of the Authority to compare the export price and normal value at the ex-factory level. To arrive at a comparable export price, appropriate adjustments are required to be made in export price, depending upon how it is quoted - CIF/FOB/FOR etc.
- iv. Since determination of dumping margin is made for each co-operating producer, this requires determination of net export price for each of the channels of exports identified and a weighted average obtained thereof.
- v. Thus, it is mandatory for responding producers to file a complete response in respect of all its trade channels to India. In cases where the exports are through unrelated exporter/trader, the response from the unrelated entities are also required. This will be particularly so, in cases where the share of exports to India of unrelated exporters

not participating in the investigation constitutes a significant proportion of the exports of the concerned producer to India. In such cases the responding producer would be considered non-cooperative in general and the entire response is liable to be rejected.

**L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES:**

96. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still have access to two or even more sources of supply.

97. The purpose of imposing anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Further, imposition of anti-dumping duties, would not affect the availability of the product to the consumers.

**M. CONCLUSION:**

98. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in these final findings, and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. Imports from China PR continue to command a significant share in the domestic market.
- ii. There has been continued dumping of the subject goods from China PR and the dumping is likely to continue and increase if the anti-dumping duty is allowed to cease.
- iii. Even when the performance of the domestic industry improved in respect of volume parameters, the domestic industry was not able to improve its market share and was still holding a share much lower than imports. Further, its performance deteriorated in respect of price parameters to such an extent that the domestic industry was suffering financial losses, cash losses and negative return on investment. Growth of the domestic industry is adverse. The domestic industry has suffered continued injury.
- iv. There is likelihood of continuation of dumping and injury to the domestic industry.

**N. RECOMMENDATIONS:**

99. Having concluded there is likelihood of continuation and intensification of dumping and injury on account of imports of the subject goods from the subject country if the duties are allowed to cease, the Authority is of the view that the anti-dumping measure is required to be extended in respect of imports of the subject goods, originating in or exported from China PR, as specified in the duty table below.

100. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 7 of the duty table given below is recommended to be imposed on all imports of the subject goods originating in or exported from China PR for a period of five years

**DUTY TABLE**

SN	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Amount of duty	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	29215120 & 29215190	'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)*	China PR	Any country including China PR	Sichuan North Hongguang Special Chemical Co. Ltd.	716.13	MT	US\$
2.	- do -	- do -	China PR	Any country including China PR	Zhejiang Amino- Chem Co., Ltd	573.92	MT	US\$
3.	- do -	- do -	China PR	Any country including China PR	Any producer other than at 1&2	1015.44	MT	US\$
4.	- do -	- do -	Any Country other than China PR	China PR	Any	1015.44	MT	US\$

\*Meta Phenylene Diamine' (MPDA), also known as m- Phenylene Diamine, 1,3- diaminobenzene, 1, 3- Benzenediamine, m- Aminoaniline, mBenzenediamine, m- Diaminobenzene, 1,3-Phenylenediamine, 3- Aminoaniline, mFenylendiamin, Phenylenediamine, and m-Aminoaline, Phenylenediamine meta.

#### **O. FURTHER PROCEDURES**

101. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. and Director General